▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 308 ▸▸मुंबई, बुधवार, 14 जनवरी 2026 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

# DBD

# दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

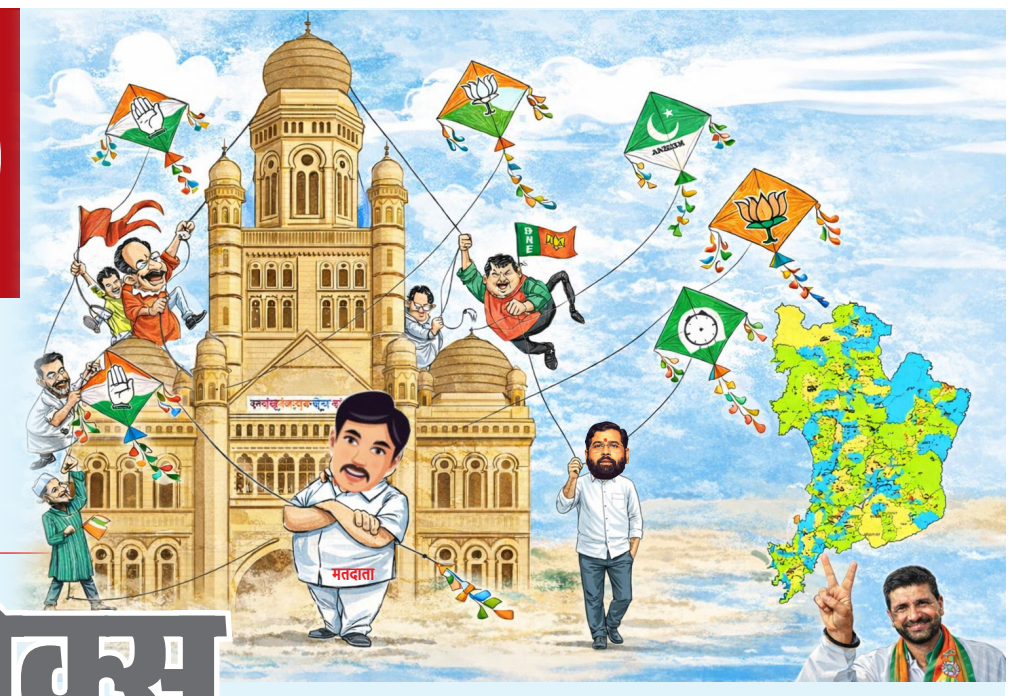


## बदली हुई राजनीति की तस्वीर

महाराष्ट्र की महानगरपालिकाओं में इस बार चुनावी तस्वीर पूरी तरह बदली हुई दिख रही है। भाजपा शहरी इलाकों में अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश में है, वहीं शिवसेना (UBT) मुंबई–ठाणे बेल्ट को बचाने के लिए संघर्षरत है। मुंबई महानगरपालिका के 227 सीटों वाले चुनाव में महायुति (भाजपा–शिंदे गुट) बनाम UBT–मनसे–NCP (SP) का संभावित गठजोड़ और कांग्रेस–वंचित का अलग मोर्चा मुकाबले को बेहद दिलचस्प बना रहा है। ठाणे, कल्याण–डोंबिवली में शिंदे गुट का दबदबा रहा है, लेकिन UBT–मनसे की चुनौती ने समीकरण कठिन कर दिए हैं। पुणे और पिंपरी-चिंचवड में भाजपा का वर्चस्व बरकरार है, जबकि विदर्भ और मराठवाड़ा में कांग्रेस, AIMIM और वंचित भाजपा की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं।

# साइलेंट क्लाइमेक्स काउंटडाउन

**महाराष्ट्र की राजनीति में इस वक्त निकाय चुनाव 2026 को लेकर कुछ वैसा ही माहौल है, जैसा मकर संक्रांति के आसमान में दिखाई देता है—चारों तरफ उड़ती पतंगें, उलझी डोरें और हर खिलाड़ी अपनी पतंग सबसे ऊपर रखने की जुगत में। सत्ता और विपक्ष की छतों पर खड़े सियासी किरदार अपनी-अपनी पतंग थामे हुए हैं, नजरें आसमान पर हैं और हाथ डोर पर कसकर जमे हुए हैं। कौन किसकी पतंग काटेगा, किसकी डोर मजबूत निकलेगी और आखिरकार जीत की पतंग किसके नाम रहेगी—निकाय चुनाव 2026 से पहले महाराष्ट्र की सियासत इसी 'राजनीतिक पतंगबाजी' के रोमांचक दौर से गुजर रही है।**

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र चुनाव 2026 के दूसरे और अंतिम चरण के लिए प्रचार का शोर मंगलवार शाम 6 बजे थम गया। अब गुरुवार को राज्य के 29 नगर निगमों में एक साथ मतदान होगा, जबकि 16 जनवरी 2026, शुक्रवार को मतगणना होगी। यह वह घड़ी है जब प्रत्याशी और उनके संगठन की असली परीक्षा शुरू होती है। एक महीने तक चले सघन प्रचार अभियान के बाद अब नेता जनसभाओं से हटकर सीधे मतदाताओं के दरवाजे तक पहुंच रहे हैं। यह दिन रणनीति, संगठन और बूथ स्तर की तैयारी का आखिरी मौका होता है। यही वजह है कि इसे चुनावी युद्ध का 'साइलेंट क्लाइमेक्स' कहा जाता है। प्रचार थमने के बाद अब प्रत्याशी सीधे मतदाताओं से संपर्क साधते हैं। बिना माइक, बिना मंच, सिर्फ आंखों में आंखें डालकर वोट की अपील। यह वह समय होता है जब नेता अपने समर्थकों के साथ गलियों में घूमते हैं, दरवाजे खटखटाते हैं और व्यक्तिगत भरोसा जीतने की कोशिश करते हैं।

**थम गया चुनाव प्रचार, अब डोर टू डोर जन संपर्क का दौर**

**महायुति के नेताओं ने रैलियाँ कीं और विपक्ष पर किए हमले**

**उद्धव-राज ने ठाणे में रैली कर महायुति को बनाया निशाना**

## पार हुईं भाषा की सारी हदें

महायुति के नेताओं ने रैलियाँ कीं और विपक्ष पर हमले किए। उद्धव और राज ठाकरे ने ठाणे में साझा रैली कर महायुति सरकार को निशाना बनाया। चुनावी भाषा की मर्यादाएं भी टूटती नजर आईं। प्रचार के अंतिम चरण में नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप ने ऐसा रूप ले लिया, जहां रसमलाई, लुंगी, पैर काटने की धमकी और 'नामर्द' जैसे शब्द खुलेआम इस्तेमाल हुए। इस बार नेता गण पारंपरिक मीडिया के साथ-साथ चर्चित चेहरों एवं अभिनेता-अभिनेत्रियों के साथ साक्षात्कार कर समाज से जुड़ने का प्रयास करते दिखाई दिए। मुख्यमंत्री फडणवीस का सबसे चर्चित साक्षात्कार आजकल की चर्चित अभिनेत्री गिरिजा ओक के साथ रहा। पुणे की ही भांति नागपुर में भी एक चैनल द्वारा आयोजित साक्षात्कार मराठी अभिनेत्री स्पृहा जोशी एवं हास्य अभिनेता भारत गणेशपुरे मिलकर मुख्यमंत्री का साक्षात्कार किया गया। एक और बड़े शहर कोल्हापुर में फडणवीस का साक्षात्कार पत्रकार कृष्णराज महाडिक, अभिनेता स्वप्निल राजशेखर और चारुदत्त जोशी ने किया। पनवेल में फडणवीस का ही साक्षात्कार अभिनेता प्रसाद ओक एवं बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता खानविलकर ने किया, तो ठाणे में हुआ कार्यक्रम मराठी टीवी से प्रसिद्ध हुई अभिनेत्री तेजस्वी प्रधान ने। सिने अभिनेताओं के साथ साक्षात्कार की यह कड़ी शिवसेना (यूबीटी) के साथ भी जुड़ी रही है। वास्तव में शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे के पुनर्मिलन की शुरुआत ही अभिनेता-निर्देशक महेश मांजरेकर द्वारा लिए गए राज ठाकरे के साक्षात्कार से हुई। कुछ ही दिन पहले शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में ठाकरे बंधुओं का श्रृंखलाबद्ध साक्षात्कार भी शिवसेना नेता संजय राउत के साथ महेश मांजरेकर ने ही लिया।

## किसने क्या वादे किए?

चुनाव प्रचार के दौरान सभी प्रमुख दलों ने शहरी मतदाताओं को लुभाने के लिए बड़े वादे किए हैं. महायुति ने स्लम-फ्री शहर, सस्ती आवास योजनाएं, महिलाओं के लिए रियायती बस यात्रा, बेहतर सार्वजनिक परिवहन, सड़क-इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीक आधारित नगर प्रशासन का वादा किया है. विपक्षी दलों ने मुफ्त या सब्सिडी वाली सार्वजनिक परिवहन सुविधाएं, मुफ्त दवाइयां, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, बिजली-पानी के बिल में राहत और स्थानीय रोजगार को लेकर घोषणाएं की हैं. बीएमसी चुनाव में मराठी अस्मिता, शहरी सुविधाएं और प्रशासनिक नियंत्रण बड़े मुद्दे बने हुए हैं.

## कौन-कौन से दल मैदान में?

इन चुनावों में महाराष्ट्र की लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक ताकतें मैदान में हैं। सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के तहत भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) संयुक्त या समन्वय के साथ कई नगर निगमों में मुकाबला कर रहे हैं। वहीं विपक्षी खेमे में महाविकास आघाड़ी से जुड़ी शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट), कांग्रेस और शरद पवार गुट की एनसीपी सक्रिय भूमिका में हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे), वंचित बहुजन आघाड़ी, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) और बड़ी संख्या में निर्दलीय उम्मीदवार भी चुनावी मैदान में हैं। खासकर मुंबई, पुणे, ठाणे और नासिक जैसे बड़े नगर निगमों में बहुकोणीय मुकाबले के चलते यह चुनाव राज्य की राजनीति के लिहाज से बेहद अहम माने जा रहे हैं।

## 15,931 उम्मीदवार चुनाव मैदान में

राज्य की 29 महानगर पालिकाओं की कुल 2869 सीटों के लिए 15,931 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। 29 महानगरपालिकाओं में कुल 3,48,78,017 मतदाता 15,931 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। इनमें 1,81,93,666 पुरुष मतदाता, 1,66,79,755 महिला मतदाता तथा 4596 अन्य मतदाता हैं। मतदान के लिए राज्यभर में 39,147 केंद्र बनाए गए हैं।

## एमएमआर क्षेत्र के उम्मीदवार

मुंबई की कुल 227 सीटों के लिए 1700 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, तो ठाणे मनपा की 131 सीटों पर 656 प्रत्याशी, कल्याण-डोंबिवली मनपा की 122 सीटों के लिए 489 उम्मीदवार, उल्हासनगर की 78 सीटों के लिए 432 प्रत्याशी, नवी मुंबई की 111 सीटों के लिए 499 उम्मीदवार, मीरा-भायंदर की 95 सीटों के लिए 435 प्रत्याशी और भिवंडी निजामपुर की 90 सीटों के लिए 439 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

## किंगमेकर और क्षेत्रीय समीकरण

मुस्लिम बहुल शहरों जैसे मालेगाव, भिवंडी, नांदेड और छत्रपति संभाजीनगर में इस बार चुनावी समीकरण बेहद खास और निर्णायक बनते नजर आ रहे हैं। इन इलाकों में AIMIM, समाजवादी पार्टी और विभिन्न स्थानीय आघाड़ियाँ न सिर्फ मजबूत स्थिति में हैं, बल्कि कई जगहों पर सत्ता की चाबी भी इन्हीं के हाथों में रहने की संभावना जताई जा रही है। मालेगाव में AIMIM का सांगठनिक आधार और जमीनी पकड़ सबसे ज्यादा मजबूत मानी जा रही है, जिससे वह अकेले दम पर या फिर गठबंधन के जरिए सत्ता पर प्रभाव डाल सकती है। भिवंडी और नांदेड में भी अल्पसंख्यक मतदाताओं के साथ स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित राजनीति ने बड़े दलों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वहीं छत्रपति संभाजीनगर में भाजपा, शिवसेना (दोनों गुट) और AIMIM के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने से नतीजे बेहद रोचक और अप्रत्याशित हो सकते हैं। इसके साथ ही कोल्हापुर, इचलकरंजी, अमरावती और अहिल्यानगर जैसे शहरों में स्थानीय विकास आघाड़ियाँ, क्षेत्रीय नेतृत्व और निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव के बाद किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं।

## ब्रीफ न्यूज़

### मुंबई में 314 करोड़ रुपये में बनेगा बिहार भवन

**पटना।** राज्य सरकार अब महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में भी बिहार भवन का निर्माण कराएगी। इसके लिए कैबिनेट ने 314 करोड़ 20 लाख 59 हजार रुपए की बड़ी प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। ये भवन मुंबई जाने वाले बिहार के लोगों और प्रशासनिक कार्यों के लिए मददगार होगा।

### मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा पर चुनाव में सट्टेबाजों से मदद लेने का आरोप

**मुंबई।** मुंबई नगर निगम (BMC) चुनाव के प्रचार के आखिरी दिन कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने भाजपा नेता और पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा पर तीखा हमला बोला है। सावंत ने सोशल मीडिया पर एक फोटो साझा करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा नेता चुनाव प्रचार के लिए कुख्यात बुकी और सट्टेबाजी के आरोपी सोनू जलान की मदद ले रहे हैं। सावंत ने सवाल उठाया कि एक जिम्मेदार मंत्री के साथ अंतरराष्ट्रीय सट्टा रैकेट से जुड़े व्यक्ति की मौजूदगी आखिर क्या संदेश देती है।

# जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों का ऐलान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों में 5 फरवरी को चुनाव होंगे, मतगणना सात फरवरी को होगी. महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग के कमिश्नर दिनेश वाघमारे ने मंगलवार को चुनावी कार्यक्रम की तारीखों का ऐलान किया.

**5 फरवरी को वोटिंग, 7 को आएंगे नतीजे**

### सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद आया कार्यक्रम

यह घोषणा सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के एक दिन बाद आई है, जिसमें कोर्ट ने स्थानीय निकाय चुनाव की प्रक्रिया पूरी करने की समय सीमा 31 जनवरी से दो हफ्ते बढ़ा दी थी। राज्य चुनाव आयुक्त (एसईसी) दिनेश वाघमारे ने एक प्रेस वार्ता में चुनाव कार्यक्रम की जानकारी दी। इसके साथ ही आचार संहिता भी लागू हो गई है।

### नामांकन और वोटिंग का पूरा शेड्यूल

चुनाव आयुक्त ने बताया कि नामांकन भरने की प्रक्रिया 16 जनवरी से शुरू होगी और 18 जनवरी तक चलेगी। कागजों की जांच 19 जनवरी को होगी। नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 21 जनवरी है। इसके अगले दिन यानी 22 जनवरी को चुनाव चिन्ह बांटे जाएंगे और उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी होगी। वहीं वोटिंग 5 फरवरी को सुबह 7 :30 बजे शुरू होगी और शाम 5 :30 बजे तक चलेगी। वोटों की गिनती 7 फरवरी को होगी। ये चुनाव 12 जिलों की जिला परिषदों और उनसे जुड़ी 125 पंचायत समितियों में होंगे। इसके लिए करीब 25,482 मतदान केंद्र बनाए जा रहे हैं। चुनाव को सही तरीके से कराने के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का इस्तेमाल होगा।

### वोटर लिस्ट में अब नहीं होगा बदलाव

इन चुनावों में भारत निर्वाचन आयोग की 1 जुलाई 2025 तक तैयार वोटर लिस्ट का इस्तेमाल होगा। वाघमारे ने बताया कि नियमों के मुताबिक जिला परिषद और पंचायत समिति के लिए वोटर लिस्ट अलग-अलग कर दी गई है। अब इस चरण में लिस्ट में कोई नया नाम जोड़े या हटाए नहीं जा सकते हैं। मतदान केंद्रों पर बुजुर्गों, दिव्यांगों, गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों वाली माताओं के लिए खास इंतजाम होंगे। इनमें रैंप, व्हीलचेयर, पीने का पानी और शौचालय जैसी सुविधाएं शामिल हैं।


राज्य निवडणूक आयोग महाराष्ट्र

बृहन्मुंबई महानगरपालिका
सार्वत्रिक निवडणूक २०२५-२६

BrihanMumbai Municipal Corporation

**मतदारांना विनम्र आवाहन**

बृहन्मुंबई महानगरपालिका सार्वत्रिक निवडणुकीकरिता गुरुवार, दिनांक १५ जानेवारी २०२६ रोजी सकाळी ७.३० ते सायंकाळी ५.३० वाजेपर्यंत मतदान होत आहे. ज्यांचे नाव महानगरपालिका मतदार यादीमध्ये आहे, त्यांना मतदान करण्याचा अधिकार आणि हक्क आहे. महानगरपालिका मतदार यादीमध्ये मतदाराचे नाव, यादी भाग क्रमांक, अनुक्रमांक व मतदान केंद्राचे ठिकाण याबाबतची माहिती दर्शविणाऱ्या मतदार चिठ्ठ्यांचे वाटप घरोघरी करण्यात येत आहे. ही माहिती जाणून घेण्यासाठी माननीय राज्य निवडणूक आयोगाचे "मताधिकार" हे मोबाईल ॲप मतदारांना डाऊनलोड करता येईल किंवा निवडणूक निर्णय अधिकारी यांच्या कार्यालयातील /मतदान केंद्रांवरील मतदार सहाय्य कक्षाची मदत घेता येईल.

मतदानाच्या वेळी छायाचित्र असलेले मतदार ओळखपत्र (EPIC CARD) सोबत बाळगावे. जर मतदार ओळखपत्र नसेल, तर खालील ग्राह्य ओळखपत्रांपैकी छायाचित्र असलेले ओळखपत्र सोबत बाळगावे. मतदान केंद्रांवर भ्रमणध्वनी (मोबाईल) वापरास मनाई आहे. सर्व मतदारांना विनम्र आवाहन करण्यात येते की, बृहन्मुंबई महानगरपालिका सार्वत्रिक निवडणुकीसाठी अवश्य मतदान करून आपले राष्ट्रीय कर्तव्य पार पाडावे.

उत्सव लोकशाहीचा गर्व मुंबईचा

मतदान
गुरुवार, दिनांक १५ जानेवारी २०२६

मतदानाची वेळ
सकाळी ७.३० ते सायंकाळी ५.३० वाजेपर्यंत

**इतर ग्राह्य ओळखपत्रांची यादी**

१. भारताचा पासपोर्ट
२. आधार ओळखपत्र
३. वाहन चालविण्याचा परवाना
४. आयकर विभागाकडील पॅन ओळखपत्र
५. केंद्र शासन / राज्य शासन / सार्वजनिक उपक्रम / स्थानिक स्वराज्य संस्था यांनी आपल्या कर्मचाऱ्यांना फोटोसहित दिलेले ओळखपत्रे
६. राष्ट्रीयकृत बँका अथवा पोस्ट ऑफिस यामधील खातेदाराचे फोटो असणारे पासबुक
७. सक्षम प्राधिकाऱ्यांनी दिलेला फोटोसहित अपंगत्वाचा दाखला
८. निवृत्त कर्मचाऱ्यांनी अथवा त्यांच्या विधवा / अवलंबित व्यक्ती यांची फोटो असलेली निवृत्ती वेतन विषयक कागदपत्रे उदा. पासबुक, प्रमाणपत्र इ.
९. लोकसभा / राज्यसभा सचिवालय तसेच विधानसभा / विधानपरिषद सचिवालय यांनी आपल्या सदस्यांना दिलेले अधिकृत ओळखपत्र
१०. स्वातंत्र्य सैनिकाचे फोटो असलेले ओळखपत्र
११. केंद्र शासनाच्या श्रम मंत्रालयाने दिलेले आरोग्य विमा योजनेचे फोटोसहित कार्ड

PRO/ 2673/ADV/2025-26

**कर मतदान, सांगतंय संविधान!**


# 'पिटाई दस्ता' बनाने का ऐलान

**▸▸फर्जी मतदान करने वालों से निपटेंगे उद्धव-राज के लोग**

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

शिवसेना (UBT) नेता संजय राउत के एक बयान ने मंगलवार को नगर निकाय चुनावों में संभावित हिंसा को लेकर चिंता बढ़ा दी। उन्होंने घोषणा की कि नगर निकाय चुनावों के लिए 15 जनवरी को होने वाले मतदान के दिन उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी और मनसे के कार्यकर्ताओं का एक संयुक्त दस्ता गठित किया जाएगा, जिसका काम दोहरा और फर्जी मतदान करने वालों की पिटाई करना होगा।

### चुनावी हिंसा की आशंका

शिवसेना (UBT) के नेता ने यहां पत्रकारों से कहा, "हमने (शिवसेना-UBT और MNS) एक टीम बनाई है, जो 15 जनवरी को सुबह सात बजे से सक्रिय हो जाएगी। जैसे ही क्षेत्रवार दोहरे मतदाताओं की जानकारी दस्ते को मिलेगी, संयुक्त टीम ऐसे मतदाताओं से उचित तरीके से निपटेगी।" राउत की चेतावनी 29 नगर निकायों के चुनावों के लिए जारी जोरदार प्रचार अभियान की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें एक तरफ भाजपा और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना व दूसरी तरफ मुंबई महानगर क्षेत्र में शिवसेना (उबाठा)-मनसे गठबंधन के बीच तीखी तकरार देखने को मिली है।

## राकांपा के दोनों गुटों के विलय पर कोई निर्णय नहीं : अजित पवार

**पुणे।** महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा एपी) और शरदचंद्र पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा एसपी)के बीच विलय का अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। हालांकि दोनों पार्टियों के बीच चर्चा जारी है, सही समय पर निर्णय लिया जाएगा।अजीत पवार ने पुणे में पत्रकारों को बताया कि राज्य में नगर निगम के चुनाव में कई जगह दोनों राकांपा गठबंधन कर चुनाव लड़ रही हैं। दोनों राकांपा ने एक साथ संयुक्त घोषणा पत्र भी जारी किया है। इस संबंध में राकांपा एसपी के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे के साथ चर्चा जारी है।

# प्रचार तोपें हुईं शांत

## चुनाव प्रचार का दौर हुआ खत्म, 'साईलेंस पीरियड' हुआ शुरु

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

विगत 4 जनवरी से ठाणे महानगरपालिका चुनाव को लेकर प्रत्याशियों द्वारा जोरदार प्रचार अभियान चलाया जा रहा था, जो आज शाम ठीक 5.30 बजे पूरी तरह थम गया। निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार मतदान समाप्त होने से 48 घंटे पूर्व प्रत्यक्ष और सार्वजनिक चुनाव प्रचार पर रोक लगा दी जाती है तथा मतदाताओं को सोच-विचार के लिए 'साइलेंट पीरियड' प्रदान किया जाता है। इसी के तहत आगामी 15 जनवरी को होने वाले मतदान को देखते हुए 13 जनवरी की शाम 5.30 बजे से सभी प्रत्याशियों ने अपने-अपने खुले चुनाव प्रचार को समाप्त कर दिया, जिससे शहर में गूंजते प्रचार के शोर पर अचानक विराम लग गया।

### राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों ने झोंकी ताकत

चुनाव प्रचार का आज अंतिम दिन होने के कारण सभी राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों ने अपना पूरा दमखम झोंक दिया था। ठाणे शहर के विभिन्न प्रभागों में पदयात्राएं, रैलियां और गली-मोहल्लों में प्रचार वाहनों के जरिए जोरदार प्रचार देखने को मिला। लेकिन शाम 5 .30 बजते ही यह पूरा शोरगुल एक झटके में थम गया और पिछले कई दिनों से जारी चुनावी माहौल बाहरी तौर पर शांत हो गया।

### डोर टू डोर कैम्पेन

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अब 'साइलेंट पीरियड' की शुरुआत हो चुकी है, जिसके दौरान किसी भी प्रकार का सार्वजनिक प्रचार पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। आयोग इस अवधि में कड़ी निगरानी रखेगा और आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। आयोग ने सभी उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों से नियमों का कड़ाई से पालन करने की अपील की है।

### चुनावी ढांचा और प्रशासन की तैयारी

ठाणे नगर निगम (TMC) के 33 वार्डों में 15 जनवरी 2026 को होने वाले आम चुनाव के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। मनपा आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव के मार्गदर्शन में पूरी प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा चुका है। यह चुनाव 'मल्टी-मेंबर पैनल पद्धति' से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें वार्ड संख्या 1 से 28 और 30 से 33 तक के मतदाताओं को चार सीटों (A, B, C, D) के लिए और वार्ड नंबर 29 में तीन सीटों (A, B, C) के लिए मतदान करना होगा। चुनाव की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मुख्य चुनाव निरीक्षक पी. वेलरासु और चुनाव निरीक्षक समीक्षा चंद्राकर पूरी कार्रवाई पर पैनी नजर रख रहे हैं।

### मतदाता आंकड़े और मतदान केंद्रों का प्रबंधन

ठाणे नगर निगम क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 16 लाख 49 हजार 869 है। इनमें 8,63,878 पुरुष, 7,85,830 महिलाएं और 159 अन्य मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। सुचारू मतदान के लिए 33 वार्डों में कुल 2013 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। चुनावी सामग्री के वितरण और संग्रहण के लिए 9 वार्डों में 11 रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालय स्थापित किए गए हैं। प्रशासन ने सभी वोटिंग मशीनों (EVM) की प्रारंभिक जांच पूरी कर ली है और कंट्रोल यूनिट व बैलेट यूनिट मतदान केंद्रों पर भेजने के लिए तैयार हैं।

### सुरक्षा व्यवस्था और तैनात जनशक्ति

चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए 12,650 अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है, जिसमें 20 प्रतिशत कर्मचारियों को रिजर्व रखा गया है। प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक अध्यक्ष, तीन मतदान अधिकारी और एक कांस्टेबल तैनात रहेगा। कर्मचारियों के लिए दो चरणों का अनिवार्य प्रशिक्षण पहले ही पूरा किया जा चुका है। इसके साथ ही, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर केंद्र पर पुलिस बल की तैनाती रहेगी। चुनावी ड्यूटी में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ प्रशासन ने पहले ही सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है।

### सीसीटीवी निगरानी और संवेदनशील क्षेत्रों पर नजर

सुरक्षा और निगरानी को मजबूत करने के लिए ठाणे मनपा क्षेत्र के 11 विभागों में 45 स्थानों पर कुल 648 सीसीटीवी कैमरे सक्रिय किए गए हैं। विशेष रूप से 305 संवेदनशील और अति-संवेदनशील स्थानों की पहचान की गई है, जहाँ 701 कैमरों के जरिए पल-पल की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। आयुक्त सौरभ राव नियमित रूप से भौतिक निरीक्षण और समीक्षा बैठकें कर रहे हैं ताकि मतदान के दिन किसी भी प्रकार की तकनीकी या सुरक्षा संबंधी बाधा उत्पन्न न हो।

# भाजपा और शिवसेना कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट, 5 गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

कल्याण-डोंबिवली नगर निगम चुनाव के प्रचार के दौरान तुकाराम नगर इलाके में बीती रात राजनीतिक माहौल गरमा गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना (शिंदे गुट) के कार्यकर्ताओं के बीच पैसे बांटने के आरोपों को लेकर तीखी बहस हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में तब्दील हो गई। इस मारपीट में दोनों पक्षों के कुल चार लोग घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डोंबिवली पुलिस स्टेशन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने शिवसेना शिंदे गुट के दो

उम्मीदवारों—नितिन पाटिल और रवि पाटिल सहित कुल 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अब तक पांच शिवसेना कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल (बंदोबस्त) तैनात कर दिया गया है।

### हमले में भाजपा उम्मीदवार के पति गंभीर

घटना के दौरान हुई मारपीट में भाजपा उम्मीदवार आर्य नाटेकर के पति, ओमनाथ नाटेकर को गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका इलाज जारी है। दूसरी ओर, शिंदे गुट के उम्मीदवार नितिन पाटिल और रवि पाटिल भी इस झड़प में घायल हुए हैं। तुकाराम नगर वार्ड में दोनों पार्टियों के बीच कड़ा मुकाबला होने के कारण यहाँ पिछले कुछ दिनों से तनाव बना हुआ था।

### नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज

इस घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। शिंदे गुट के विधायक राजेश मोरे ने आरोप लगाया कि चुनाव में 'धनशक्ति' का प्रयोग कर माहौल बिगाड़ा जा रहा है और उनके कार्यकर्ताओं पर पहले हमला हुआ। वहीं, भाजपा जिलाध्यक्ष नंदू परब ने इसे कायराना हमला बताते हुए कहा कि उनके कार्यकर्ताओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

# चांदी चोरी के आरोपी का 18 लाख का फिक्स्ड डिपॉजिट होगा डी-फ्रीज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने 50 किलोग्राम चांदी की ईंटों की चोरी के आरोपी विशाल पूनम गरंगे को बड़ी राहत दी है। न्यायमूर्ति एन. जे. जमादार की एकल पीठ ने आरोपी के 18 लाख रुपये के फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) खातों को डी-फ्रीज करने का आदेश देते हुए स्पष्ट किया कि जिस संपत्ति का अपराध से कोई सीधा संबंध नहीं है, उसे पुलिस जब्त नहीं कर सकती। अदालत ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 102 के तहत पुलिस केवल उसी संपत्ति को सीज कर सकती है, जिस पर चोरी का संदेह हो या जो अपराध से जुड़ी हो। इससे पहले मुंबई सेशन कोर्ट ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी

के खातों को डी-फ्रीज करने से इनकार कर दिया था। हाई कोर्ट ने इस फैसले को त्रुटिपूर्ण बताते हुए कहा कि केवल आरोपों की गंभीरता किसी व्यक्ति की वैध संपत्ति को रोकने का आधार नहीं हो सकती। पीठ ने नोट किया कि एफडी खाते में जमा राशि चोरी की घटना से पहले की है, इसलिए इसे अपराध की कमाई नहीं माना जा सकता। साथ ही, शिकायतकर्ता ज्वेलर्स को चोरी गई चांदी की कीमत के बराबर राशि (लगभग 29 लाख) पहले ही वापस की जा चुकी है।

### क्या था पूरा मामला?

यह मामला 21 दिसंबर 2019 का है, जब मुंबई के ज्वेलर्स मनोज जैन की कार का कांच तोड़कर पार्किंग से 50 किलो चांदी की ईंटें चुरा ली गई थीं। माटुंगा पुलिस की जांच में विशाल गरंगे की मिलीभगत सामने आई और उसे गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने उसके पास से 29 .04 लाख बरामद किए और साथ ही अहमदाबाद के कुबेर नगर पोस्ट ऑफिस में मौजूद उसके 18 लाख के एफडी खातों को भी फ्रीज कर दिया था।

### कानूनी प्रक्रिया और अंतिम आदेश

आरोपी ने पहले जांच अधिकारी और फिर सेशन कोर्ट में खाते डी-फ्रीज करने की अर्जी दी थी, जो खारिज हो गई। इसके बाद उसने हाई कोर्ट का रुख किया। हाई कोर्ट ने सेशन कोर्ट के 17 अक्टूबर 2025 के आदेश और जांच अधिकारी के फ्रीजिंग ऑर्डर को रद्द कर दिया। अदालत के इस फैसले से स्पष्ट हो गया है कि जांच के नाम पर पुलिस किसी भी व्यक्ति की उन संपत्तियों को फ्रीज नहीं कर सकती, जो उस विशेष अपराध के दायरे से बाहर आती हों।

# शेयर में निवेश के नाम पर एक करोड़ की ठगी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे में एक कारोबारी के साथ शेयर में निवेश के नाम पर एक करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में 3 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि 43 वर्षीय पीड़ित कारोबारी ने सोशल मीडिया पर आईपीओ और शेयर में निवेश पर उच्च रिटर्न वाला विज्ञापन देख आरोपियों से संपर्क किया। आरोपियों ने पीड़ित कारोबारी को एक फर्जी डीमैट खाते का लिंक उपलब्ध कराया। इसके बाद पीड़ित ने इसे असली मान कुल एक करोड़ रुपये स्थानांतरित किए। डीमैट लिंक डैशबोर्ड पर 19 करोड़ रुपये का मुनाफा भी दिखाया गया, लेकिन पीड़ित कारोबारी कोई धनराशि निकाल नहीं पाया। आरोपियों ने इसके लिए फिर से 20 प्रतिशत कमीशन जमा करने को कहा। इसके बाद पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# निर्माण कार्य के दौरान धंसी सड़क

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे ईस्ट के जीजामाता रोड स्थित सर्वेश सोसाइटी के पास मंगलवार सुबह करीब 9 बजे एक बड़ा हादसा होते-होते रह गया। यहाँ नई इमारत के निर्माण के लिए चल रही खुदाई के दौरान अचानक मुख्य सड़क का एक हिस्सा धंस गया। चूंकि यह घटना सुबह के व्यस्त समय (पीक ऑवर) में हुई, इसलिए इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी और डर का माहौल बन गया। गनीमत रही कि इस भूधंसाव की चपेट में कोई वाहन या राहगीर नहीं आया। सड़क धंसने के प्रभाव से निर्माण स्थल की सुरक्षा के लिए लगाया गया भारी शेड भरभरा कर गिर पड़ा। राहत की बात यह रही कि शेड सड़क की तरफ न गिरकर निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे के

### जीजामाता मार्ग पर निर्माण कार्य में नारियल पेड़ की बलि

अंदर गिरा, जिससे फुटपाथ पर चल रहे लोग सुरक्षित बच गए। इस घटना में किनारे पर लगा एक नारियल का पेड़ भी जड़ से उखड़कर नीचे गिर गया। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, यदि यह मलबा सड़क की ओर गिरता, तो जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता था।

### सुरक्षा उपायों में लापरवाही के आरोप

इस घटना ने निर्माण स्थलों पर बरती जाने वाली सुरक्षा सावधानियों पर गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि गहरी खुदाई के दौरान आस-पास की सड़क और ढांचों को सहारा देने के लिए पर्याप्त इंजीनियरिंग उपाय नहीं किए गए थे। इस तरह के लापरवाही भरे निर्माण कार्यों से घनी आबादी वाले क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा हर समय खतरे में बनी रहती है, जिस पर प्रशासन को सख्त रुख अपनाने की आवश्यकता है।

### जांच शुरू और सख्त कार्रवाई की मांग

हादसे की सूचना मिलते ही नगर निगम की संबंधित एजेंसियां और पुलिस दल मौके पर पहुँच गए। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य को फिलहाल रोक कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि बिल्डर और ठेकेदार के खिलाफ सुरक्षा मानदंडों के उल्लंघन के लिए सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही, मांग की गई है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए साइट पर तुरंत मजबूत सुरक्षा दीवार और सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं।

# 5 लाख की रिश्वत लेते कोंकण संभाग के आपूर्ति उपायुक्त गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए नवी मुंबई के सीबीडी बेलापुर में तैनात कोंकण संभाग के वर्ग-1 आपूर्ति उपायुक्त अनिल सुधाकर टाकसाले को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 12 जनवरी 2026 की शाम को सीबीडी बेलापुर स्थित लक्ष्मी होटल के पास हुई। टाकसाले पर आरोप है कि उन्होंने एक गोदाम मालिक से दर्ज मामला निपटाने के लिए भारी भरकम राशि की मांग की थी।

एसीबी की जांच में सामने आया कि उपायुक्त सीधे पैसे न लेकर अपने दो निजी सहायकों, 42 वर्षीय साईं प्रीतम माधव अमीन और 52 वर्षीय राजा गणेश थेवर

### दो निजी सहायक भी हत्थे चढ़े

के माध्यम से वसूली कर रहे थे। सोमवार शाम सवा चार बजे जब शिकायतकर्ता से पांच लाख रुपये की रिश्वत ली गई, तब ब्यूरो ने पहले दोनों सहायकों को दबोचा। इसके बाद, शाम करीब 5:10 बजे मुख्य आरोपी उपायुक्त अनिल टाकसाले को हिरासत में लिया गया।

### एसीबी की योजनाबद्ध कार्रवाई

शिकायतकर्ता की सूचना पर एसीबी के पुलिस अधीक्षक शिवराज पाटिल के मार्गदर्शन में जाल बिछाया गया। 7 जनवरी को हुई बातचीत के दौरान रिश्वत की राशि निजी सहायक अमीन को देना तय हुआ था। जैसे ही 12 जनवरी को होटल के पास अमीन के कहने पर राजा गणेश थेवर ने पैसे स्वीकार किए, सतर्क एसीबी टीम ने उन्हें दबोच लिया। वर्तमान में तीनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

### गोदाम पर छापे के बाद बनाया था दबाव

शिकायतकर्ता 'आईं एकवीरा ट्रेडिंग कंपनी' के नाम से अनाज का व्यापार करता है। 30 दिसंबर 2025 को टाकसाले ने शिकायतकर्ता के गोदाम पर छापा मारकर अवैध चावल भंडार मिलने का दावा किया था, जिसके बाद भिवंडी तहसील पुलिस स्टेशन में अत्यावश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसी मामले को रफा-दफा करने और भविष्य में गोदाम को सुरक्षित रखने के लिए टाकसाले ने 5 लाख रुपये एकमुश्त और 1.5 लाख रुपये प्रति माह की मांग की थी।

# मीरा-भाईंदर में थम गया प्रचार

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा-भाईंदर महानगरपालिका चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भाजपा, शिवसेना और कांग्रेस के प्रमुख उम्मीदवारों ने पूरी ताकत झोंक दी। प्रचार के अंतिम दिन भाजपा और शिवसेना के अधिकांश प्रत्याशियों ने विशाल बाइक रैलियां निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया, जबकि प्रभाग क्रमांक 21 में कांग्रेस के सभी उम्मीदवारों ने अजय सिंह राजपूत, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद सामंत और महाराष्ट्र महिला कांग्रेस कमिटी की जिलाध्यक्ष संध्या सावलखे की उपस्थिति में भव्य बाइक रैली निकाली।

### चुनाव प्रचार में पार्टियों के प्रमुख उम्मीदवारों ने झोंकी पूरी ताकत

### मीरा-भाईंदर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद

शहर में शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में चुनाव संपन्न कराने के लिए एमबीवीवी पुलिस और मीरा-भाईंदर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। शहरभर में कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

### कड़ी राजनीतिक टक्कर

भाजपा और शिवसेना के बीच कांटे की टक्कर को देखते हुए विधायक नरेंद्र मेहता और परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने जीत के लिए पूरा जोर लगाया। भाजपा की ओर से प्रचार के लिए भोजपुरी सिने स्टार दिनेश लाल यादव और बिहार के अलीनगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक मैथिली ठाकुर ने रोड शो किया। वहीं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जनसभा के जरिए 'लाड़ली बहन' योजना का भरोसा दिलाया, जबकि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जनसभा लेकर शिवसैनिकों में जोश भरा। कुल 24 प्रभागों की 95 सीटों के लिए 435 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। अधिकांश प्रभागों में भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच सीधा मुकाबला है। हालांकि प्रभाग क्रमांक 21 में मुकाबला कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद सामंत और भाजपा से कांग्रेस में आए अजय सिंह राजपूत के बीच तय माना जा रहा है

महिलाओं को मकर संक्रांति का तोहफा

# सरकारी अस्पतालों में शुरू होंगे 'रजोनिवृत्ति क्लिनिक'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य सरकार के जन स्वास्थ्य विभाग ने मकर संक्रांति (14 जनवरी) के शुभ अवसर पर महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजना की घोषणा की है। अब राज्य भर के सरकारी अस्पतालों में विशेष 'रजोनिवृत्ति क्लिनिक' (Menopause Clinic) शुरू किए जा रहे हैं। इस पहल के तहत, रजोनिवृत्ति (मेनोपॉज) के दौर से गुजर रही महिलाओं को शारीरिक और मानसिक समस्याओं के लिए वैज्ञानिक उपचार प्रदान करने

हेतु हर बुधवार को सभी सरकारी अस्पतालों में एक समर्पित ओपीडी (OPD) संचालित की जाएगी। अक्सर देखा गया है कि 40 से 50 वर्ष की आयु के बीच महिलाओं में हार्मोनल परिवर्तनों के कारण चिड़चिड़ापन, अवसाद, नींद की कमी, जोड़ों में दर्द और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न होती हैं। जागरूकता के अभाव में इन लक्षणों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिससे आगे चलकर हृदय रोग और हड्डियों की कमजोरी का खतरा बढ़ जाता है। इन्ही समस्याओं को संबोधित करने के लिए जिला अस्पतालों, उप-जिला अस्पतालों और नगर निगम अस्पतालों में यह विशेष क्लिनिक शुरू किया जा रहा है।

### परामर्श और उपचार की विस्तृत सुविधा

इन रजोनिवृत्ति क्लिनिक्स में केवल दवाइयाँ ही नहीं, बल्कि महिलाओं को विस्तृत परामर्श (Counseling) भी दिया जाएगा। इसमें विशेषज्ञ डॉक्टर महिलाओं की जीवनशैली, आहार, कैल्शियम और विटामिन-डी की कमी को दूर करने के उपाय बताएंगे। साथ ही, मानसिक स्वास्थ्य को लेकर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे ताकि महिलाएं इस प्राकृतिक शारीरिक बदलाव को बिना किसी झिझक या तनाव के स्वीकार कर सकें। स्वास्थ्य विभाग ने अपील की है कि महिलाएं इस सेवा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. संदीप सांगले ने सभी जिला सर्जनों और चिकित्सा अधिकारियों को पत्र जारी कर निर्देश दिया है कि इस क्लिनिक का रिकॉर्ड व्यवस्थित रूप से रखा जाए। मकर संक्रांति से शुरू होने वाले इन केंद्रों की मासिक रिपोर्ट जिला स्तर पर भेजी जाएगी।

# मानखुर्द में 13 वर्षों से चले आ रहे यौन शोषण मामले में आरोपी पर एफआईआर

- सामाजिक संगठनों की पहल पर पुलिस की त्वरित कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मानखुर्द क्षेत्र के मातंग ऋषि नगर, 20 फीट रोड, मंडाला, मानखुर्द-400043 में रहने वाली रोहिणी जयस्वार (उम्र 25 वर्ष) ने राजू श्रीपद जयस्वार के खिलाफ पिछले 13 वर्षों से जारी यौन शोषण को लेकर गंभीर शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता ने दिनांक 6 नवंबर 2025 को मानवता सेवा एवं जनकल्याण प्रतिष्ठान, दिव्यांग नवसंजीवन व योग विद्या सेवा तथा आदिवासी बहुजन पर्यावरण सेवा कुटुंब फाउंडेशन जैसे सामाजिक संगठनों के पास लिखित शिकायत दी। इस दौरान पीड़िता का बयान संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मो. वसीम वकील अहमद खान एवं महाराष्ट्र राज्य महिला अध्यक्षा सारिका लोखंडे की उपस्थिति में दर्ज किया गया। इसके पश्चात 7 नवंबर 2025 को संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ने स्वयं मानखुर्द पुलिस थाने पहुंचकर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मधु

घोरपडे को शिकायत सौंपी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने तत्काल जांच के आदेश दिए।

प्रकरण की जांच एपीआई मंचेकर द्वारा उनकी टीम के साथ की गई। जांच में राजू श्रीपद जयस्वार आरोपी पाए जाने के बाद उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया। पीड़ित महिला को न्याय दिलाने के लिए त्वरित व प्रभावी कार्रवाई करने पर संबंधित संगठनों ने मानखुर्द पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

# बीजेपी-शिवसेना पर अजित पवार का सनसनीखेज आरोप

## इनकी सरकार में पार्टी फंड के लिए 100 करोड़ बढ़ाई गई प्रोजेक्ट की लागत: अजित पवार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र महानगरपालिका चुनाव को लेकर सियासी संग्राम मचा है। मंगलवार को चुनाव प्रचार के आखिरी दिन डिप्टी सीएम अजित पवार ने एक चौंकाने वाला दावा करते हुए राज्य की सियासी हलचल बढ़ा दी है। निकाय चुनाव से पहले महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया मोड़ देते हुए अजित पवार ने जल सिंचाई की फाइलों को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि शिवसेना-भाजपा (युति) की गठबंधन सरकार (1995) में पार्टी फंड जुटाने के लिए सिंचाई परियोजनाओं की लागत को जानबूझकर बढ़ाया गया था।

### 'इस फाइल पर कार्रवाई होती तो राजनीति में हाहाकार मच जाता'

पवार ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि उस फाइल पर कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई गई होती, तो प्रदेश की राजनीति में हाहाकार मच जाता। 1999 से पहले महाराष्ट्र में शिवसेना-भाजपा की गठबंधन सरकार थी। इस सरकार का कार्यकाल 1995 से 1999 तक रहा। इस कार्यकाल के दौरान दो मुख्यमंत्री रहे। पहले मनोहर जोशी (1995 से जनवरी 1999 तक) और उसके बाद नारायण राणे (फरवरी 1999 से अक्टूबर 1999 तक)।

### कृष्णा घाटी परियोजना में करप्शन का अजित पवार का दावा

मराठवाड़ा की एक परियोजना का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उस समय की फाइल आज भी उनके पास है। अजित पवार का यह दावा कृष्णा घाटी परियोजना को लेकर किया गया है। अजित पवार का कहना है कि इस परियोजना की लागत 330 करोड़ रुपए दिखाई गई थी। उनके द्वारा जांच करने पर उन्होंने पाया कि वहीं काम 220 करोड़ रुपए में संभव था, यानी लागत को जानबूझकर 110 करोड़ रुपये अधिक दिखाया गया था। पवार ने सीधा आरोप लगाया कि इस बढ़ाई गई राशि में से 100 करोड़ रुपये 'पार्टी फंड' के लिए और 10 करोड़ रुपये संबंधित अधिकारियों की जेब भरने के लिए तय किए गए थे।

### सिंचाई घोटाला: एक सनसनीखेज खुलासा

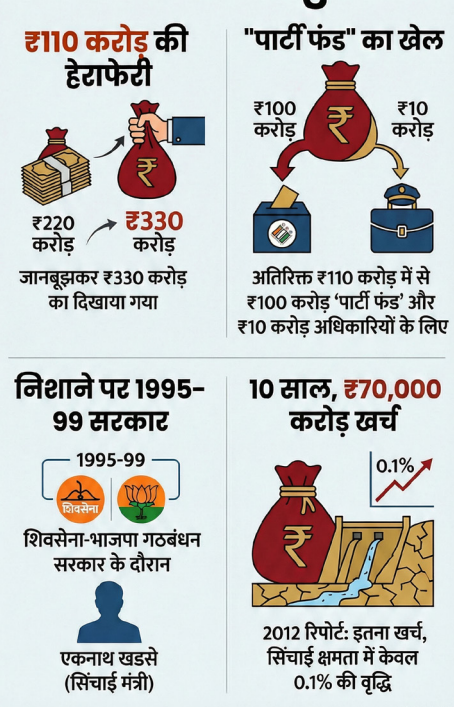


### 2012 की महाराष्ट्र आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट से आई थी घोटाले की बात

इस घोटाले की आधिकारिक जानकारी 2012 में 'महाराष्ट्र आर्थिक सर्वेक्षण' की रिपोर्ट के बाद सामने आई थी, जिसमें बताया गया था कि 10 साल में 70,000 करोड़ खर्च करने के बावजूद राज्य की सिंचाई क्षमता में केवल 0.1% की वृद्धि हुई। हालांकि, 2019 में सत्ता परिवर्तन के दौरान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने कुछ मामलों में उन्हें 'क्लीन चिट' देने की बात कही थी, लेकिन कानूनी रूप से यह मामला अभी भी पूरी तरह बंद नहीं हुआ है। बॉम्बे हाई कोर्ट में इससे संबंधित जनहित याचिकाएँ अभी भी लंबित हैं और मामला विचाराधीन है। अजित पवार ने अब 1995-99 की फाइलों का हवाला देकर भ्रष्टाचार के आरोपों की दिशा उन लोगों की तरफ मोड़ दी है जो पहले उन पर उंगली उठाते थे और उन्हीं के साथ सत्ता में हैं!

### भाजपा के एकनाथ खडसे थे उस समय के सिंचाई मंत्री

इस सरकार के दौरान सिंचाई विभाग मुख्य रूप से भाजपा के पास था। एकनाथ खडसे उस समय राज्य के सिंचाई मंत्री थे। 1995 के चुनावों में शिवसेना-भाजपा गठबंधन ने शरद पवार के नेतृत्व वाली कांग्रेस को हराकर पहली बार महाराष्ट्र में गैर-कांग्रेसी सरकार बनाई थी। इसके बाद 1999 के चुनाव में कांग्रेस और नवनिर्मित NCP ने मिलकर सरकार बनाई और सिंचाई विभाग अजित पवार के पास गया।

### जानिए क्या है कृष्णा घाटी विकास महामंडल?

यह महाराष्ट्र की सबसे महत्वपूर्ण जल परियोजनाओं में से एक है। इसके प्रबंधन के लिए 'महाराष्ट्र कृष्णा घाटी विकास महामंडल' (MKVDC) की स्थापना 1996 में (युति सरकार के दौरान) की गई थी।पश्चिमी महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त क्षेत्रों (जैसे सांगली, सतारा, सोलापुर, कोल्हापुर और पुणे के कुछ हिस्से) को सिंचाई और पीने का पानी उपलब्ध कराना। कृष्णा नदी और उसकी सहायक नदियों (कोयना, वारणा, नीरा आदि) के पानी का अधिकतम उपयोग करना इसका लक्ष्य है।अजित पवार ने जिस भ्रष्टाचार का उल्लेख किया है, वह इसी महामंडल के कामकाज से जुड़ा है। उनका दावा है कि इस परियोजना के बजट को कृत्रिम रूप से बढ़ाया गया था ताकि राजनीतिक फंड निकाला जा सके। एक तरह से अजित पवार यह कहना चाह रहे हैं कि सिंचाई परियोजनाओं में गड़बड़ी की शुरुआत उनके कार्यकाल से बहुत पहले 1995 में ही हो चुकी थी। वे खुद को एक ऐसे नेता के रूप में पेश कर रहे हैं जिसने फाइलों की जांच कर सरकारी खजाने के करोड़ों रुपये बचाए, न कि घोटाला किया।

# बीएमसी चुनाव को लेकर पुख्ता सुरक्षा

## 25000 पुलिसकर्मियों समेत बड़ी संख्या में अधिकारियों की तैनाती

**मुंबई।** बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव 2026 के लिए मुंबई में प्रशासनिक तैयारियाँ पूरी हो चुकी हैं। मुंबई के सभी 227 प्रभागों में मतदान की प्रक्रिया 15 जनवरी 2026 को संपन्न होगी, जिसके तुरंत बाद 16 जनवरी 2026 को मतगणना की जाएगी। शहर के इस सबसे महत्वपूर्ण स्थानीय चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से आयोजित करने के लिए चुनाव आयोग और प्रशासन ने कमर कस ली है। चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुंबई पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। शहर भर में 25,000 से अधिक पुलिसकर्मियों के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारियों की एक बड़ी फौज तैनात रहेगी। सुरक्षा की कमान 10 अपर पुलिस आयुक्त (Additional CP), 33 पुलिस उपायुक्त (DCP), 84 सहायक पुलिस आयुक्त (ACP) और 3,000 से अधिक अन्य पुलिस अधिकारी संभालेंगे।

### आपात स्थिति के लिए विशेष दस्ते और हेल्पलाइन

संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए SRPF (राज्य आरक्षित पुलिस बल), QRT (क्विक रिस्पॉन्स टीम), और BDDS (बम निरोधक दस्ता) जैसी विशेष टीमों को तैनात किया गया है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए RCP प्लाटून और होमगार्ड्स को भी अलर्ट पर रखा गया है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की सहायता या शिकायत के लिए वे तुरंत 100 या 112 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

**मध्य रेल**

**एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट**

रेलवे लाभार्थियों हेतु USG, CT- MRI & PET स्कैन सेवाओं के लिए मंडल रेल अस्पताल, कल्याण के 8 किमी दायरे में स्थित निजी निदान केंद्रों के पैनल में सम्मिलित किए जाने हेतु रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) (दो वर्षीय अनुबंध)। **नोटिस क्र.: KYN. H/E/USG,CT-MRI & PET EOI/26-28, दि. 12.01.2026. कार्य का नाम:** USG, CT-MRI & PET. **आवेदन और करार / समझौता विज्ञापन प्रस्तुत किया है जहाँ कार्यालय का पता:** मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मध्य रेल अस्पताल, पोस्ट- कल्याण (प)-421301. **हस्ताक्षर और मोहर के साथ आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि:** 06.02.2026, 14:00 hrs. **आवेदन बॉक्स खुलने का समय:** 06.02.2026, 14:30 hrs. **पूरा होने की अवधि:** प्रारंभ होने की तिथि से 2 वर्ष। **वेबसाइट जहाँ सूचना अपलोड है: www.cr.indianrailways.gov.in** रेल प्रशासन बिना कारण बताए एक या सभी प्रस्तावों को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

AK-827

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

**मध्य रेल**

सोलापुर मंडल

**सिग्नलिंग कार्य**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए, सहायक मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजिनियर (निर्माण), सोलापुर, मध्य रेल द्वारा ऑन लाइन खुली निविदाए पात्र निविदाकर्ता की ओर से निम्न लिखित कार्य के लिए आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना संख्या- एसयूआर-एनसी-सीआर-एसएनटी-सी-एस-01-2026 दिनांक 10.01.2026. कार्य का नाम :** "मध्य रेल के पुणे मंडल में 5 स्टैकलिंग लाइन की व्यवस्था के संबंध में साईनगर शिरडी स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की कमस्या एवं इनडोअर तथा आउटडोअर उपकरणों की सप्लाई इनस्यलेशन, टेस्टिंग एवं कमिशनिंग करना ।" **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 13,89,15,238.08 (तेरह करोड़ उनासी लाख पंद्रह हजार दो सौ अड़तीस और आठ पैसे मात्र) **निविदा फार्म/ बुकलेट की कीमत:** ₹ 0.00/- **बयाना राशि:** ₹ 8,44,600/- (रु. आठ लाख चौवालीस हजार छह सौ मात्र) **कार्य पुरा करने की अवधि:** एलओए जारी करने की तारीख से 08 महीने (आठ महीने)। जिसमें मानसून और फसल की अवधि शामिल है। **निविदा जमा करने की प्रारंभ तिथि: दिनांक: 20.01.2026. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय:दिनांक: 03.02.2026 के 15:00 तक। निविदा बंद करने की तिथि और समय: दिनांक: 03.02.2026 के 15:00 बजे ।** वेबसाईट विवरण जहां से निविदा सुचना के बारे में पूर्ण जानकारी आप प्राप्त कर सकते है: **www.ireps.gov.in**

सहायक मंडल सिग्नल व दूर संचार इंजीनियर (निर्माण) म.रे. सोलापुर

Akar/Sur-1

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

**मध्य रेल**

सोलापुर मंडल

**सिग्नलिंग कार्य**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए, सहायक मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजिनियर (निर्माण), सोलापुर, मध्य रेल द्वारा ऑन लाइन खुली निविदाए पात्र निविदाकर्ता की ओर से निम्न लिखित कार्य के लिए आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना संख्या- एसयूआर-एनसी-सीआर-एसएनटी-सी-एस-02-2026 दिनांक 11.01.2026. कार्य का नाम :** मध्य रेल के सोलापुर मंडल के उस्मानाबाद से तुलजापुर के बीच 03 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग इंटरलॉकिंग की व्यवस्था के संबंध में इनडोअर एवं आउटडोर उपकरणों को सप्लाई, इन्स्टॉलेशन, टेस्टिंग एवं कमिशनिंग करना सोलापूर मंडल के सोलापुर-उस्मानाबाद नई बड़ी लाइन के संबंध में उस्मानाकार में आर आर आई में परिवर्तन का कार्य तथा उस्मानाबाद से तुलजापुर के बीच 04 स्टेशनों पर आउटडोअर सिगनलिंग का कार्य करना। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 25,77,79,676.19 (पच्चीस करोड़ सतहत्तर लाख उनहतर हजार छह सौ छिहत्तर और उन्नीस पैसे मात्र) **निविदा फार्म/ बुकलेट की कीमत:** ₹ 0.00/- **बयाना राशि:** ₹ 14,38,900/- (रु. चौदह लाख अड़तीस हजार नौ सौ मात्र) **कार्य पुरा करने की अवधि:** एलओए जारी करने की तारीख से 12 महीने (बारह महीने)। जिसमें मानसून और फसल की अवधि शामिल है। **निविदा जमा करने की प्रारंभ तिथि: दिनांक: 26.01.2026. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय:दिनांक: 09.02.2026 के 15:00 तक। निविदा बंद करने की तिथि और समय: दिनांक: 09.02.2026 के 15:00 बजे ।** वेबसाईट विवरण जहां से निविदा सुचना के बारे में पूर्ण जानकारी आप प्राप्त कर सकते है: **www.ireps.gov.in**

सहायक मंडल सिग्नल व दूर संचार इंजीनियर (निर्माण) म.रे. सोलापुर

Akar/Sur-2

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

**मध्य रेल**

**ई-नीलामी की सूचना**

मुंबई मंडल, मध्य रेलवे ने ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से **www.ireps.gov.in** पर नीचे दी गई संपत्तियों कि लीजिंग के लिए ई-नीलामी का आह्वान किया है। **इच्छुक बोली दाताओंको ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल में पंजीकृत होना आवश्यक है और ई-नीलामी से पहले सभी आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे।** अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि नीचे उल्लिखित ई-नीलामी के विवरण जानने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।

| क्रमांक | श्रेणी | उप - श्रेणी | नीलामी प्रारंभ |
|---|---|---|---|
| 1. | विज्ञाप | ट्रेनों में मोबाइल एसेट्स (आंतरिक एवं बाहरी) | 16.01.2026, 19.01.2026, 27.01.2026 |
| | | आरडीएन (RDN) | 24.01.2026 |
| 2. | पार्सल | 1SLR, 26FSLR, 20SLR एवं 14SLR क्रमशः | 19.01.2026, 23.01.2026, 27.01.2026, 28.01.2026 |
| 3. | पे एंड पार्किंग | मिश्रित पार्किंग | 14.01.2026, 19.01.2026, 22.01.2026, 27.01.2026, 28.01.2026 |
| 4. | कैटरिंग | MAE पर कैटरिंग | 13-01-2026 |
| | | MPS - CSMT एवं KJRD पर मल्टी पर्पस स्टॉल | 13-01-2026, 23.01.2026 |
| 5. | अन्य एनएफआर | ट्रेनों में हेडरेस्ट कवर पर विज्ञापन | 27.01.2026 |
| | | LTT पर हेल्थ कियोस्क | 19.01.2026 |
| | | 5 स्टेशनों पर प्रमोशनल कियोस्क | 23-01-2026 |
| | | TNA पर प्रतीक्षालय | 23.01.2026 |
| | | स्टेशन पर आधुनिक सुविधाओं सहित डिजिटल लाउंज / को - वर्किंग स्पेस | 21.01.2026 |
| | | एआई आधारित संदेश प्लेटफॉर्म (यात्री) | 27.01.2026 |
| | | BY एवं BND पर किराना दुकान | 20.01.2026, 28.01.2026 |
| | | KJRD एवं BY पर मोबाइल एवं एक्सेसरीज़ कियोस्क | 17.01.2026, 22.01.2026 |
| | | CSMT, DR, LTT एवं PNVL पर डिजी- लॉकर | 29.01.2026 |
| | | DR पर RMC रिलैक्सेशन चेयर | 16-01-2026 |

इसके अलावा विषय नीलामी के संबंध में, परिशिष्ट / शुद्धिपत्र, लॉट/कैटलॉग की वापसी, नीलामी की तिथि या समय में परिवर्तन, विस्तार, स्पष्टीकरण आदि, यदि कोई हो, तो केवल वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। बोलीदाताओं को स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर जाना चाहिए।

AK-820

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

**मध्य रेल**

**सामग्री प्रबंधन विभाग**

**ई-निविदा सूचना क्रमांक. NIT/01/26/ 02 दिनांक 08-दिसंबर-2026**

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, मध्य रेलवे निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

| निविदा क्रमांक | विवरण | मात्रा | नियत तिथि |
|---|---|---|---|
| 81255028 | 1) सेंट्रल रेलवे के विभिन्न स्टेशनों पर स्टेशन मैनेजमेंट कंसोल (एसएमसी)। 2) आपूर्ति, साइट तक परिवहन, स्थापना, स्वीकृति, परीक्षण, चालू करना और 3 वर्ष की ऑनसाइट व्यापक वारंटी और सहायता सेवाएं। स्मार्ट कार्ड संचालित स्वचालित टिकट 2) वेंडिंग मशीनें (एटीवीएम) | 1)74 नग 2)332 नग | 22- जनवरी-26 |
| 42255024ए | ईएमयू रेक के लिए एपीसी रिसीवर प्रकार | 30 Nos. | 2 फरवरी 26 |
| 38255153 | एयर स्प्रिंग असेंबली (140 केएन क्षमता) | 48 सेट | 3 फरवरी 26 |
| 42261107 | द्वितीयक वायु स्प्रिंग के लिए ऊर्ध्वाधर डैम्पर | 1130 नग | 6 फरवरी 26 |
| 27255017सी | जल रहित युरिनल्स | 415 नग | 27- जनवरी-26 |
| 27263231 | पॅन्टोग्राफ | 149 नग | 28- जनवरी-26 |
| 27263964 | डिस्क ब्रेक व्यवस्था | 07 सेट | 5 फरवरी 26 |
| 27254793 | छत पर लगा एयर कंडीशनिंग सिस्टम | 298 नग | 02- फ़रवरी26 |
| 27261289 | ड्राइवर ब्रेक वाल्व के लिए किट का सेट | 235 सेट | 04- फ़रवरी26 |
| 27263320 | ईपी रिले वाल्व के लिए किट | 347 सेट | 02- फ़रवरी26 |
| 27253248 ए | Ni-Cd बैटरी | 109 सेट | 28- जनवरी-26 |
| 42261106 | द्वितीयक वायु स्प्रिंग के लिए लॅटरल डॅम्पर्स | 985 नग | 30- जनवरी-26 |
| Rc62254710 | एबॉट एचडीएल रिएजंट | 280 नग | 13- जनवरी-26 |
| 51256063 | CGRSP RDSO ड्राइंग संख्या T-6618 और T-8747 के निर्माण और आपूर्ति के लिए रनिंग कॉन्ट्रॅक्ट | 15667109 नग | 19- जनवरी-26 |
| Rc61253073 | इंजेक्शन ग्लाइकोपेगिलेटेड रिकॉम्बिनेंट एक्सटेंडेड हाफ फैक्टर VIII (यूनिट-IU) | 590055 नग | 12- जनवरी-26 |
| 51256053 | 60 किलोग्राम रेल के लिए सीएमएस क्रॉसिंग 1 इन 12 की आपूर्ति के लिए रनिंग कॉन्ट्रॅक्ट, आरडीएसओ ड्राइंग संख्या टी-4220 | 600 सेट | 27- जनवरी-26 |
| 51256031 ए | आरडीएसओ ड्राइंग संख्या टी-5919 के अनुरूप इलास्टिक रेल क्लिप्स एमके-वी के माल, निर्माण और आपूर्ति के लिए रनिंग कॉन्ट्रॅक्ट | 12280378 नग | 02-फ़रवरी-26 |
| 51256064 | ग्रूव्ड रबर सोल प्लेट T-6068 और T-4159 के निर्माण और आपूर्ति के लिए रनिंग कॉन्ट्रॅक्ट | 542 सेट 14238 नग | 27-जनवरी-26 |

**नोट :** उपरोक्त सभी निविदाएं ई-निविदाएं हैं और सभी निविदाकारों से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियां IREPS वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन जमा करें। उपर्युक्त निविदाओं और अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृपया IREPS वेबसाइट पर जाएं।

AK- 821

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

SRA/ARES/OW/२०२६/१७९४ सहकार कक्ष, झो.पु.प्रा.
दिनांक : १३/०१/२०२६.

**-: नोटीस :-**

**शिव गौरी एस.आर.ए. सहकारी गृहनिर्माण संस्था (नियो), सी.टी.एस.नं. ४४३ (बी), व्हिलेज कांजूर, ता. कुर्ला, एम.एस.डी., एस वॉर्ड, प्रेम निवास, नॅशनल स्कूल रोड, भांडुप (प), मुंबई ४०० ०७८** या संस्थेचे परिशिष्ट-२ उपजिल्हाधिकारी (अति/निष्का) तथा सक्षम प्राधिकारी, भांडुप यांनी निर्गमित केलेले असून सदरील परिशिष्ट-२ मध्ये पात्र असणा या झोपडीधारकांची सहकारी गृहनिर्माण संस्था नोंदणी करण्यासाठी आवश्यक असणारी नोंदणीपूर्व सभा घेण्यासाठी मा. सहाय्यक निबंधक, सहकारी संस्था, झो.पु.प्रा. यांच्या दिनांक १३/०१/२०२६ रोजीच्या आदेशान्वये माझी प्राधिकृत अधिकारी म्हणून नियुक्ती करण्यात आलेली आहे.

त्यानुसार योजनेतील पात्र झोपडीधारकांची सर्वसाधारण सभा **दिनांक २८/०१/२०२६ रोजी, दुपारी ०५.०० वाजता, स्थळ : शिवरामसिंग हॉल, रामकली स्कूल, आनंद नगर, भांडुप (प), मुंबई ४०० ०७८ येथे आयोजित करण्यात आलेली आहे.** सदरील सभेत खालील विषयावर चर्चा होवून निर्णय घेण्यात येणार आहे. तरी सदर सभेत उपस्थित रहावे ही विनंती.

**-: सभेचे विषय :-**

१) मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची निवड करणे.
२) नियोजित संस्थेच्या नावास मान्यता घेणे व नांव आरक्षण प्रस्ताव दाखल करणेबाबत निर्णय घेणे.
३) संस्थेसाठी नविन उपविधी स्विकारण्यासाठी मंजूरी देणे.
४) संस्थेच्या नोंदणी प्रस्तावावर सहया करण्यासाठी मुख्यप्रवर्तक यांना अधिकार देणे.
५) भाग भांडवल व प्रवेश फी जमा करणेबाबत निर्णय घेणे.
६) संस्थेचे बँक खाते उघडण्यास मुख्यप्रवर्तक यांना प्राधिकृत करणे.
७) मागाहून पात्र होणा-या झोपडीधारकांना संस्थेचे सभासद करुन घेणे अथवा अपात्र झोपडीधारकांचे सभासदत्व रद्द करण्याचे अधिकार कार्यकारी मंडळास देणे.

ठिकाण : मुंबई
दिनांक : १३/०१/२०२६.

सही/
**(आर.एन. हळदे)**
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी श्रेणी १, झोपुप्रा, मुंबई

**सूचना:-** ▶ मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक निवडणूकीचा कार्यक्रम खालीलप्रमाणे राहील.

| अ.क्र. | वेळ | विषय |
|---|---|---|
| १) | सभेच्या दिलेल्या वेळेपासून 2 तास | मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांच्यासाठी नामनिर्देशन अर्ज दाखल करणे. |
| २) | 15 मिनिटे | आलेल्या अर्जाची छाननी करणे. |
| ३) | 15 मिनिटे | नामनिर्देशन पत्र परत घेणे. |
| ४) | 15 मिनिटे | पॅनलची मागणी करणे. |
| ५) | पुढील अर्धातास | चिन्ह वाटप करणे. |

▶ मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक या पदासाठीचे विहीत अर्ज प्राधिकृत अधिकारी यांच्याकडे उपलब्ध असतील.
▶ मुख्यप्रवर्तक पदासाठी एक मतपत्रिका व प्रवर्तक मंडळातील सदस्यांसाठी एक मतपत्रिका अशा एकूण ०२ मतपत्रिका राहतील.
▶ विषय पत्रिकेवरील विषय क्र. १ नुसार मुख्यप्रवर्तकाची निवड होईपर्यंत सभेचे प्राधिकृत अधिकारी अध्यक्ष म्हणून काम पाहतील त्यानंतर मुख्यप्रवर्तक हे सभाअध्यक्ष म्हणून काम पाहतील. (सदरील सभेत विषय पत्रिकेवर दिलेल्या विषयाशिवाय अन्य विषयावर चर्चा करता येणार नाही)
▶ सभेस नियोजित संस्थेच्या मंजूर परिशिष्ट-२ मधील पात्र झोपडीधारक पती पत्नी या दोघांपैकी एकाच व्यक्तीस उपस्थित राहता येईल. इतर नातेवाईकांना अथवा प्रतिनिधींना उपस्थित राहता येणार नाही.
▶ मंजूर परिशिष्ट-२ मधील व्यक्तींनी स्वतःची ओळख होईल अशा ओळखपत्रासह (आधार कार्ड / निवडणूक ओळखपत्र / पॅनकार्ड इत्यादी) उपस्थित रहावे.
▶ संस्थेच्या पात्र सभासदांना सभागृहात प्रवेश देते वेळी त्यांनी त्यांची ओळख पटवून सभेच्या उपस्थिती नोंदवहीत स्वाक्षरी करुन व बायोमॅट्रीक पध्दतीने उपस्थिती नोंदविल्यानंतरच सभागृहात प्रवेश दिला जाईल.
▶ सभेच्या कामकाजाचे प्राधिकरणामार्फत व्हिडीओ चित्रिकरण करण्यात येईल.
▶ मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची एकूण संख्या सहकारी गृहनिर्माण संस्थांच्या आदर्श उपविधीमध्ये निश्चित केल्याप्रमाणे राहील.
▶ सदर सभेस येताना प्रत्येक झोपडीधारकोन मास्क वापरणे, सामाजिक अंतर ठेवणे अनिवार्य राहील. तसेच कोविड-१९ संदर्भात शासनाने वेळोवेळी निर्गमित केलेल्या निर्देशाचे पालन करावे.

### 15 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित

**मुंबई।** महाराष्ट्र की 29 नगर पालिकाओं और नगर निगमों (BMC सहित) में 15 जनवरी 2026 को होने वाले मतदान को देखते हुए राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सामान्य प्रशासन विभाग और श्रम विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, मतदान के दिन संबंधित चुनावी क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश (Public Holiday) रहेगा। इस निर्णय का उद्देश्य मतदाताओं को बिना किसी बाधा के अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना है।सरकार द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, यह अवकाश केवल सरकारी कार्यालयों तक सीमित नहीं है। नगर निगम क्षेत्रों में स्थित केंद्र सरकार के कार्यालय, अर्ध-सरकारी दफ्तर, सार्वजनिक उपक्रम (PSU), बैंक और सभी शैक्षणिक संस्थान इस दिन बंद रहेंगे।

# नफरत की राजनीति को नकारेगी मुंबई: नवाब मलिक

**मुंबई।** मुंबई नगर निगम चुनाव के प्रचार के आखिरी दिन राजनीतिक सरगर्मी चरम पर पहुँच गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के दिग्गज नेता नवाब मलिक ने विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार करते हुए इसे 'नफरत बनाम एकजुटता' की लड़ाई करार दिया। मलिक ने विश्वास जताया कि मुंबई की जनता धार्मिक और क्षेत्रीय ध्रुवीकरण की कोशिशों को नकार कर विकास और एकता के पक्ष में मतदान करेगी।

### राज ठाकरे की नीतियों की कड़ी आलोचना

नवाब मलिक ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) प्रमुख राज ठाकरे की राजनीति को 'विभाजनकारी' बताते हुए उन पर निशाना साधा। मलिक ने कहा कि राजनीति घृणा और बंटवारे के दम पर नहीं की जा सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि राज ठाकरे पहले उत्तर भारतीयों और दक्षिण भारतीयों को निशाना बनाते थे, और जब वहां सफलता नहीं मिली, तो अब वे मुस्लिमों के खिलाफ आक्रामक रुख अपना रहे हैं।

# अबू सलेम अंतरराष्ट्रीय अपराधी, दो दिन की पेरोल काफी : महाराष्ट्र सरकार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को बंबई हाई कोर्ट को बताया कि 1993 के मुंबई बम धमाका मामले में दोषी गैंगस्टर अबू सलेम एक अंतरराष्ट्रीय अपराधी है। उसे पुलिस सुरक्षा के साथ केवल दो दिन की आपातकालीन पैरोल दी जा सकती है। सलेम ने अपने बड़े भाई की मृत्यु का हवाला देकर 14 दिन की पैरोल मांगी थी।

### अगले हफ्ते तक स्थगित है मामले की सुनवाई

न्यायमूर्ति अजय गडकरी और न्यायमूर्ति श्याम चंडक ने सरकार को एक हलफनामा दाखिल करके सलेम को 14 दिन की पैरोल देने से संबंधित चिताओं के बारे में जानकारी देने का निर्देश दिया। मामले की सुनवाई अगले सप्ताह तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

### नवंबर में भी मांगी थी पैरोल

सलेम ने पिछले साल दिसंबर में याचिका दायर कर अपने बड़े भाई अबू हाकिम अंसारी की नवंबर में मृत्यु होने का हवाला देकर पैरोल मांगी थी। उसने याचिका में कहा था कि कोर्ट में क्रिसमस के अवकाश के कारण उसकी याचिका में देरी हुई है।

### नवंबर 2005 से जेल में है अबू सलेम

सलेम की याचिका के अनुसार उसने 15 नवंबर को अपने भाई के अंतिम संस्कार और संबंधित रस्मों को पूरा करने के लिए जेल अधिकारियों से 14 दिन की आपातकालीन पैरोल मांगी थी। हालांकि, जेल अधिकारियों ने 20 नवंबर 2025 को एक आदेश के जरिये अर्जी खारिज कर दी थी। सलेम ने कहा था कि नवंबर 2005 में गिरफ्तारी के बाद से वह जेल में है और उसे सिर्फ अपनी मां तथा सौतेली मां की मौत के बाद कुछ दिन की पैरोल दी गई थी।

**पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस–भुज द्वि-साप्ताहिक विशेष ट्रेन के फेरे बढ़ाए गए**

| ट्रेन नंबर | कहां से | कहां तक | चलने के दिन | कब तक बढ़ाया गया |
|---|---|---|---|---|
| 09037 | बांद्रा टर्मिनस | भुज | गुरुवार एवं शनिवार | 29.01.2026 |
| 09038 | भुज | बांद्रा टर्मिनस | शुक्रवार एवं रविवार | 30.01.2026 |

स्टेशनों पर ठहराव के समय तथा ट्रेन की संरचना (कोच संयोजन) की विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर विजिट कर सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09037 एवं 09038 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 14.01.2026 से पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर खुलेगी। यह ट्रेन विशेष किराया पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें X.com/WesternRly
हमें फॉलो करें Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

संपादकीय

# प्रचार थमा, अब फैसला जनता का

मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव के प्रचार का शोर थम चुका है। पोस्टर उतर रहे हैं, माइक खामोश हो गए हैं और सड़कों पर गाड़ियों के काफिले अब नहीं दिखेंगे। लेकिन इस शांति के पीछे बीते कई हफ्तों का वह राजनीतिक कोलाहल छिपा है, जिसमें हर दल ने सत्ता तक पहुंचने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी। अब मंच खाली है, और रोशनी सीधे उस जनता पर है, जिसके एक-एक वोट से मुंबई की अगली दिशा तय होगी।

प्रचार के दौरान शिवसेना (उद्धव गुट) ने भावनात्मक अपील को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया। 'मराठी मानुष', मुंबई की अस्मिता और बृहन्मुंबई महानगरपालिका पर दशकों के अनुभव को सामने रखकर यह संदेश देने की कोशिश की गई कि शहर की नब्ज आज भी उन्हीं के हाथों में सुरक्षित है। दूसरी ओर शिवसेना (शिंदे गुट) ने विकास, डबल इंजन सरकार और केंद्र-राज्य की नजदीकी का लाभ गिनाया। उनका तर्क साफ था—जब सरकारें साथ होंगी, तभी मुंबई को बड़े प्रोजेक्ट्स और तेज फैसलों का लाभ मिलेगा। भारतीय जनता पार्टी ने प्रचार को आक्रामक और संगठित रखा। भ्रष्टाचार, ठेकेदारी और पारदर्शिता जैसे मुद्दों को जोर-शोर से उठाया गया। भाजपा ने खुद को "बदलाव के विकल्प" के रूप में पेश करते हुए कहा कि अब BMC को पुराने ढर्रे से बाहर निकालने का समय आ गया है। बड़े नेताओं की सभाएं, डिजिटल प्रचार और बूथ स्तर तक की रणनीति भाजपा की ताकत के रूप में सामने आई।

कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने सामाजिक न्याय, महंगाई, बेरोजगारी और नागरिक सुविधाओं की बदहाली को केंद्र में रखा। इन दलों ने झुग्गी पुनर्वास, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा के सवालों पर सरकारों को घेरने की कोशिश की। वहीं समाजवादी पार्टी और अन्य क्षेत्रीय दलों ने अल्पसंख्यक, मजदूर और निम्न आय वर्ग के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। प्रचार का एक बड़ा हिस्सा आरोप-प्रत्यारोप में भी बीता। विकास कार्यों के दावों के साथ-साथ भ्रष्टाचार के आरोप लगे, पुराने फैसलों को कोसा गया और भविष्य के सपने दिखाए गए। कहीं-कहीं शब्दों की मर्यादा भी टूटी, तो कहीं वादों की बारिश हुई। लेकिन इस सबके बीच सबसे अहम सवाल वही रहा—क्या मुंबई की रोजमर्रा की समस्याएं वास्तव में केंद्र में रहीं? आज मुंबई ट्रैफिक, जलभराव, कचरा प्रबंधन, प्रदूषण, सस्ते आवास और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी चुनौतियों से जूझ रही है। प्रचार के आखिरी दिन तक दलों ने इन मुद्दों पर योजनाएं गिनाईं, लेकिन उनकी विश्वसनीयता का फैसला अब मतदाता के विवेक पर है। अब जबकि प्रचार समाप्त हो चुका है, जिम्मेदारी जनता की है। यह चुनाव सिर्फ पार्षद चुनने का नहीं, बल्कि उस प्रशासनिक दिशा को तय करने का है, जो आने वाले वर्षों में मुंबई को या तो और बोझिल बनाएगी या रहने लायक महानगर की ओर ले जाएगी। वोट देते समय चेहरे, नारों और भावनाओं से आगे जाकर यह देखना जरूरी है कि कौन सा दल स्थानीय समस्याओं को समझता है और उन्हें हल करने की क्षमता रखता है। लोकतंत्र का सबसे मजबूत हथियार वोट है। प्रचार की गूंज भले थम गई हो, लेकिन फैसले की आवाज अब मतपेटी से निकलेगी। मुंबई ने बहुत कुछ देखा है—अब वह सोच-समझकर चुने, यही इस चुनाव का सबसे बड़ा संदेश है।

# प्रिंटिंग की बदलती इबारत

लेखक
मुनीब चौरसिया

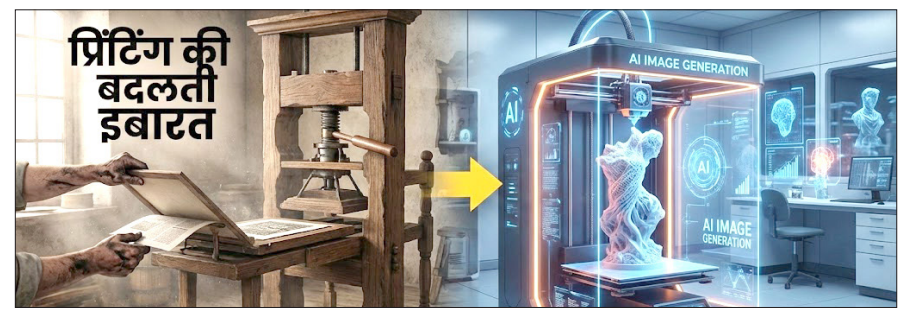


जब 15वीं शताब्दी के मध्य में जोहानेस गुटेनबर्ग ने जर्मनी के मेंज शहर में अपनी पहली प्रिंटिंग प्रेस का पहिया घुमाया होगा, तो शायद उन्हें भी इस बात का आभास नहीं रहा होगा कि वे केवल अक्षर नहीं छाप रहे, बल्कि आधुनिक सभ्यता का भाग्य लिख रहे हैं। आज, लगभग छह सदियों बाद, जब हम 2026 की डिजिटल धुंध में खड़े हैं, तो अक्सर यह सवाल पूछा जाता है कि क्या प्रिंटिंग मर रही है? जवाब है—बिल्कुल नहीं। बल्कि सच तो यह है कि प्रिंटिंग ने अब अपनी 'कांच की चूड़ियां' उतारकर 'स्मार्ट वॉच' पहन ली है। यह उद्योग खत्म नहीं हो रहा, बल्कि यह कागज की सीमाओं को लांघकर मानव जीवन के हर भौतिक स्पर्श में समा रहा है।

आज का मुद्रण व्यवसाय अब केवल सूचना का वाहक नहीं, बल्कि 'ब्रांडिंग का हथियार' है। यदि हम 2025-26 के वित्तीय परिदृश्य को देखें, तो भारतीय कमर्शियल प्रिंटिंग बाजार 36.5 बिलियन डॉलर के विशाल मुकाम पर खड़ा है। लेकिन यहां रोचक तथ्य यह है कि इस बाजार का इंजन अब अखबार नहीं, बल्कि 'पैकेजिंग' है। ई-कॉमर्स क्रांति ने प्रिंटिंग को एक नया जीवनदान दिया है। आज जब आप ऑनलाइन सामान मंगवाते हैं, तो वह साधारण डिब्बा नहीं होता; उस पर मौजूद 'स्मार्ट लेबल', 'क्यूआर कोड' और 'सस्टेनेबल कोटिंग' प्रिंटिंग उद्योग की नई भाषा हैं। वर्तमान में डिजिटल प्रिंटिंग की विकास दर 9.3 प्रतिशत है, जो यह बताती है कि अब जमाना करोड़ों प्रतियों का नहीं, बल्कि आपकी अपनी एक विशिष्ट प्रति का है। आज 'Web-to-Print' तकनीक ने इस उद्योग को इतना लोकतांत्रिक बना दिया है कि एक छोटा स्टार्टअप भी अपने ब्रांड के लिए विश्वस्तरीय पैकेजिंग सीधे अपने मोबाइल से ऑर्डर कर रहा है। प्रिंटिंग का इतिहास केवल मशीनों का नहीं, बल्कि मानव चेतना के विस्तार का इतिहास है। गुटेनबर्ग से पहले ज्ञान तिजोरियों में बंद था, जिसे प्रेस ने सड़कों पर ला खड़ा किया। भारत के संदर्भ में देखें तो 1556 में गोवा की पहली प्रेस से लेकर स्वतंत्रता संग्राम के उन धूल भरे प्रिंटिंग खानों तक, जहां केसरी और यंग इंडिया छपते थे—प्रिंटिंग हमेशा सत्ता के खिलाफ सबसे मुखर आवाज रही है। उस दौर में ऑफसेट और लेटरप्रेस का दबदबा था। तकनीक सीमित थी, रंग महंगे थे और सुधार की गुंजाइश शून्य थी। लेकिन उसी दौर ने हमें सिखाया कि मुद्रित शब्द की ताकत क्या होती है। वह थोक उत्पादन का युग था, जहां सूचना को दूर-दूर तक पहुँचाना ही एकमात्र लक्ष्य था। तब छपाई का अर्थ स्थायित्व होता था। एक बार जो छप गया, वह दस्तावेज बन जाता था। आज के दौर की छपाई अधिक चंचल और व्यक्तिगत है, जो हर पल बदलती बाजार की जरूरतों के हिसाब से खुद को ढाल लेती है। आने वाला कल यानी 2027 और उसके आगे का दशक प्रिंटिंग के लिए साइंस फिक्शन जैसा होने वाला है। इसके तीन मुख्य नायक होंगे। पहला नायक है 3D प्रिंटिंग और उत्पादन का नया व्याकरण। भविष्य केवल टू-डी इमेजेस का नहीं है। 2030 तक 3D प्रिंटिंग का बाजार 68.5 बिलियन डॉलर पार करने की उम्मीद है। कल्पना कीजिए, एक ऐसा प्रिंटर जो भविष्य में केवल कागज नहीं, बल्कि हवाई जहाज के पुर्जे, कंक्रीट के घर और यहां तक कि लैब में इंसानी बायो-पार्ट्स प्रिंट करेगा। यह विनिर्माण की पूरी प्रक्रिया को बदल देगा। दूसरा नायक है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। आगामी वर्षों में एआई यह तय करेगा कि स्याही की एक बूंद भी बर्बाद न हो। स्मार्ट प्रिंटिंग प्लांट्स खुद अपनी मरम्मत करेंगे और डिजाइनिंग में इंसानी गलतियों को शून्य कर देंगे। 2030 तक 60 प्रतिशत से अधिक प्रिंटिंग प्रक्रियाएं पूरी तरह स्वायत्त और एआई संचालित होंगी। तीसरा नायक है सस्टेनेबिलिटी का मंत्र। कल का मुद्रण हरा यानी ग्रीन होगा। पर्यावरण के बढ़ते दबाव और वैश्विक मानकों के बीच, उद्योग अब सोया-स्याही और रिसाइकिल होने योग्य सामग्री की ओर बढ़ रहा है। ग्रीन पैकेजिंग का बाजार 2030 तक 557 बिलियन डॉलर को छूने की राह पर है। अब प्लास्टिक की जगह बायो-डिग्रेडेबल मुद्रित समाधान लेंगे। मुद्रण तकनीक की इस प्रगति में केवल व्यवसाय ही नहीं, बल्कि प्रकृति का संरक्षण भी जुड़ा होगा। नैनो-प्रिंटिंग जैसी नई विधाएं अब बहुत ही सूक्ष्म स्तर पर छपाई को संभव बना रही हैं, जिससे इलेक्ट्रॉनिक्स और मेडिकल क्षेत्र में क्रांति आ रही है। बेशक, इस सफर में चुनौतियां भी कम नहीं हैं। कच्चे माल की बढ़ती कीमतें और डिजिटल विकल्पों से मिलती कड़ी प्रतिस्पर्धा ने कई पुराने प्रिंटिंग हाउसों को बंद होने पर मजबूर किया है। लेकिन यह परिवर्तन का ही एक हिस्सा है। आज के मुद्रण व्यवसायी को अब केवल एक प्रिंटर नहीं, बल्कि एक समाधान प्रदाता बनना होगा। उसे डेटा एनालिटिक्स और ग्राहक के व्यवहार को गहराई से समझना होगा। जो उद्यमी तकनीक और डेटा के इस संगम को समझ लेंगे, उनके लिए मुद्रण का यह नया युग असीमित अवसर लेकर आएगा। आने वाले वर्षों में हम देखेंगे कि छपाई केवल सूचना तक सीमित न रहकर सुरक्षा और सत्यापन का भी माध्यम बनेगी। होलोग्राम और अदृश्य स्याही के माध्यम से नकली उत्पादों पर लगाम लगाना आसान होगा। अंततः, प्रिंटिंग व्यवसाय के बारे में यह कहना कि वह डिजिटल युग में अप्रासंगिक हो गया है, वैसा ही है जैसे यह कहना कि इंटरनेट के आने से बिजली की जरूरत खत्म हो गई। प्रिंटिंग ने अपना शरीर बदला है, आत्मा नहीं। अखबार की जगह टैबलेट ने ली है, लेकिन उसी टैबलेट का कवर, उसे लाने वाला डिब्बा और भविष्य में उसे बनाने वाली तकनीक—सब प्रिंटिंग के ही नए अवतार हैं। मुद्रण कला ने सदियों पहले शब्दों को अमर बनाया था, अब यह तकनीक भौतिक वस्तुओं को रचने की ओर बढ़ रही है। स्याही से सिलिकॉन और सिलिकॉन से स्मार्ट सेंसर तक का यह सफर इस बात का प्रमाण है कि जब तक मानव को छूने और महसूस करने की चाह रहेगी, प्रिंटिंग का सूरज कभी अस्त नहीं होगा।

जीवन मंत्र

# एक समय में एक काम करो-सफलता का मूल मंत्र

आज की तेज़ रफ्तार दुनिया में हम एक साथ कई काम करने की आदत डाल चुके हैं। मोबाइल पर संदेशों की बाढ़, सोशल मीडिया की सूचनाएँ, ई-मेल और जिम्मेदारियों का दबाव-इन सबके बीच ध्यान बँटना स्वाभाविक है।

महान उपलब्धियाँ हमेशा उसी व्यक्ति ने हासिल की हैं, जिसने एक समय में एक काम किया और उसे पूरी आत्मा से किया। यह विचार केवल समय प्रबंधन का सूत्र नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक बनाने की कला है। जब हम एक ही काम पर पूर्ण एकाग्रता से ध्यान लगाते हैं, तो हमारी ऊर्जा बिखरती नहीं, बल्कि केंद्रित होती है। मन शांत रहता है, निर्णय स्पष्ट होते हैं और काम की गुणवत्ता कई गुना बढ़ जाती है। इसके विपरीत, जब हम मल्टीटास्किंग करते हैं, तो हमारा मस्तिष्क बार-बार एक काम से दूसरे पर कूदता है, जिससे थकान, तनाव और गलतियाँ बढ़ती हैं। परिणामस्वरूप न काम ढंग से पूरा होता है, न संतोष मिलता है। "पूरी आत्मा उसमे डाल दो"—इसका अर्थ है मन, बुद्धि और भावना—तीनों का एकसाथ जुड़ जाना। जब आप किसी काम में डूब जाते हैं, तो समय का एहसास कम हो जाता है। कलाकार चित्र बनाते समय, लेखक लिखते समय और खिलाड़ी खेलते समय इसी अवस्था का अनुभव करते हैं। यही अवस्था उत्कृष्टता को जन्म देती है। इस स्थिति में किया गया प्रयास साधारण नहीं रहता; वह आपकी पहचान बन जाता है। बाकी सब कुछ भूल जाने का अर्थ जिम्मेदारियों से भागना नहीं, बल्कि प्राथमिकता तय करना है। हर क्षण में वही करें जो सबसे ज़रूरी है। जब वह काम पूरा हो जाए, तब अगले काम पर जाएँ। यह आदत आपको अनुशासन सिखाती है और मानसिक बोझ कम करती है। धीरे-धीरे आप पाएँगे कि काम जल्दी और बेहतर तरीके से होने लगे हैं। इस सिद्धांत को अपनाने के लिए कुछ सरल कदम उपयोगी हो सकते हैं। सबसे पहले, दिन की शुरुआत में तीन प्रमुख कार्य तय करें। दूसरे, काम करते समय मोबाइल नोटिफिकेशन बंद रखें। तीसरे, निश्चित समय तक उसी काम पर टिके रहें—चाहे शुरुआत में मन भटके। चौथे, काम पूरा होने पर स्वयं को छोटा सा पुरस्कार दें। इससे मन प्रशिक्षण पाता है और फोकस मजबूत होता है। जीवन में संतुलन और सफलता का रास्ता जटिल नहीं, बल्कि स्पष्ट है। एक समय में एक काम करें, उसे पूरे मन से करें और परिणामों की चिंता छोड़ दें।

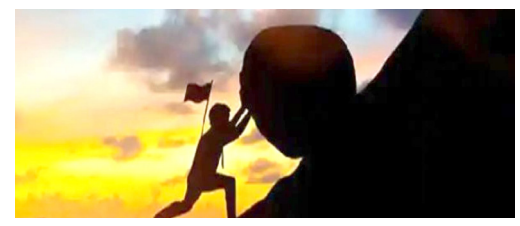

शख्सियत

युको मिशिमा

# आत्मानुशासन, सौंदर्य और साहस का विलक्षण जीवन

युको मिशिमा जापान के उन महान साहित्यकारों में गिने जाते हैं, जिनका जीवन जितना सृजनात्मक था, उतना ही विचारोत्तेजक और साहसी भी। उनका जन्म 14 जनवरी 1925 को टोक्यो, जापान में हुआ और उनका निधन 25 नवंबर 1970 को हुआ।

मात्र 45 वर्ष की आयु में संसार से विदा होने के बावजूद, मिशिमा ने साहित्य, दर्शन और जीवन-दृष्टि में ऐसी गहरी छाप छोड़ी जो आज भी पाठकों और चिंतकों को प्रेरित करती है। युको मिशिमा का वास्तविक नाम किमिताके हिराओका था। बचपन से ही वे असाधारण प्रतिभा के धनी थे। किशोरावस्था में ही उनका साहित्यिक रुझान स्पष्ट हो गया था। द्वितीय विश्व युद्ध के दौर में उन्होंने जापान की टूटती हुई सांस्कृतिक और नैतिक संरचना को बहुत करीब से देखा, जिसने उनके विचारों और लेखन को गहराई से प्रभावित किया। मिशिमा का जीवन इस बात का उदाहरण है कि संवेदनशील मन परिस्थितियों से कैसे जूझता है और उन्हें रचना में ढाल देता है। मिशिमा ने अपने लेखन में सौंदर्य, अनुशासन, आत्मसंघर्ष और पहचान के प्रश्नों को प्रमुखता से उठाया। उनका प्रसिद्ध उपन्यास "कन्फेशन्स ऑफ अ मास्क" (Confessions of a Mask) आत्मविश्लेषण और आंतरिक द्वंद्व का अद्भुत दस्तावेज है। इसके अलावा "द टेम्पल ऑफ द गोल्डन पैविलियन" और "सी ऑफ फर्टिलिटी" श्रृंखला ने उन्हें विश्व साहित्य में स्थायी स्थान दिलाया। उनके लेखन की विशेषता यह थी कि वे मनुष्य के भीतर चल रहे संघर्ष को बिना किसी सजावट के, पूरी ईमानदारी से प्रस्तुत करते थे। युको मिशिमा केवल लेखक ही नहीं थे, बल्कि आत्मानुशासन के प्रबल समर्थक भी थे। उन्होंने शारीरिक प्रशिक्षण, मार्शल आर्ट और कठोर जीवनशैली को अपनाया। उनका मानना था कि विचार और शरीर का संतुलन ही पूर्ण मनुष्य का निर्माण करता है। यह दृष्टिकोण आज के समय में विशेष रूप से प्रेरणादायक है, जहां बौद्धिक विकास के साथ शारीरिक और नैतिक अनुशासन को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

मिशिमा का जीवन यह भी सिखाता है कि अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव कितना आवश्यक है। वे आधुनिकता के अंधे अनुकरण के विरोधी थे और मानते थे कि परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन ही समाज को मजबूत बनाता है। उन्होंने जापानी आत्मा, समुराई परंपरा और सम्मान की भावना को अपने विचारों और कर्मों में जीवित रखने का प्रयास किया। उनका अंत जितना विवादास्पद रहा, उतना ही उनके विचारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 25 नवंबर 1970 को उन्होंने सार्वजनिक जीवन से विदा ली। चाहे उनके अंतिम निर्णय से सहमति हो या असहमति, यह अस्वीकार नहीं किया जा सकता कि मिशिमा अपने विचारों के साथ अंत तक खड़े रहे। यही अडिगता उन्हें साधारण लेखकों से अलग करती है। युको मिशिमा का जीवन युवाओं के लिए एक गहरा संदेश देता है—कि जीवन केवल सुविधा और स्वीकार्यता के लिए नहीं, बल्कि आत्मसत्य, अनुशासन और साहस के लिए भी होता है। वे हमें सिखाते हैं कि अपनी पहचान की खोज कठिन हो सकती है, लेकिन उसी संघर्ष में व्यक्ति का वास्तविक स्वरूप निखरता है।

जीवन ऊर्जा

डॉ. अल्बर्ट : जन्म 14 जनवरी 1875

जन्म

# जीवन का उद्देश्य केवल जीना नहीं बल्कि संवारना है

डॉ. अल्बर्ट श्वित्ज़र का जन्म 14 जनवरी 1875 को अल्सेस के कैसर्सबर्ग में हुआ था। उस समय अल्सेस-लोरेन को चार वर्ष से भी कम समय पहले जर्मन साम्राज्य का शाही क्षेत्र बनाया गया था। प्रथम विश्व युद्ध के बाद, जब अल्सेस पुनः फ्रांस का हिस्सा बना, तब श्वित्ज़र फ्रांस के नागरिक हो गए। वे एडेल (नी शिलिंगर) और लुई थियोफाइल श्वित्ज़र के पुत्र थे। उन्होंने अपना बचपन अल्सेस के ही एक अन्य गाँव गन्सबाख में बिताया।

डॉ. अल्बर्ट श्वाइत्ज़र एक महान मानवतावादी, दार्शनिक, चिकित्सक और संगीतज्ञ थे। उनका जीवन सेवा, करुणा और नैतिक साहस का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने "जीवन के प्रति सम्मान" (Reverence for Life) को अपने दर्शन का आधार बनाया और अफ्रीका के लैम्बारेने में जीवनभर रोगियों की निस्वार्थ सेवा की। श्वाइत्ज़र का मानना था कि सच्चा ज्ञान और धर्म वही है जो मानव और समस्त जीवों के कल्याण में लगे। मानवता के प्रति उनके योगदान के लिए उन्हें 1952 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनका विचार आज भी विश्व को नैतिक दिशा देता है। जीवन के प्रति सम्मान ही सच्ची नैतिकता है। सच्ची खुशी दूसरों की सेवा से जन्म लेती है। मानवता की महानता करुणा में निहित है। हर जीवन पवित्र है, चाहे वह कितना ही छोटा क्यों न हो। ज्ञान तभी सार्थक है जब वह मानव कल्याण में लगे। नैतिकता वहीं से शुरू होती है जहां हम किसी जीवन को हानि न पहुंचाएं। उदाहरण सबसे प्रभावशाली उपदेश होता है। जो दूसरों के लिए जीता है वही सच में जीता है। प्रगति का अर्थ केवल विज्ञान नहीं, संवेदना का विकास भी है। शांति करुणा के बिना असंभव है। मानव मूल्य पद या शक्ति से नहीं, सेवा से तय होते हैं। हर पीड़ा हमें अधिक मानवीय बनाती है। दया कमजोरी नहीं, बल्कि शक्ति है। जो जीवन का सम्मान करता है वही ईश्वर के निकट है। सच्चा धर्म मानव सेवा में प्रकट होता है। हम जितना देते हैं उतना ही भीतर से समृद्ध होते हैं। नैतिक साहस बिना शोर किए अपना काम करता है। मानवता का भविष्य करुणा पर निर्भर है। हर जीव का अस्तित्व हमारे विवेक को चुनौती देता है। सेवा में ही आत्मा की शांति है। जो दूसरों के दुख को समझता है वही बुद्धिमान है। जीवन का उद्देश्य केवल जीना नहीं बल्कि संवारना है। मानवता तब मरती है जब संवेदना मरती है। सच्चा ज्ञान हमें विनम्र बनाता है। करुणा के बिना शक्ति विनाशकारी होती है। हर दिन सेवा का अवसर है। नैतिकता का मापदंड हमारा व्यवहार है। शांति का बीज दया में बोया जाता है। मानव जीवन का मूल्य हर जीवन के सम्मान में है। जीवन के प्रति सम्मान ही मानव सभ्यता की आत्मा है।

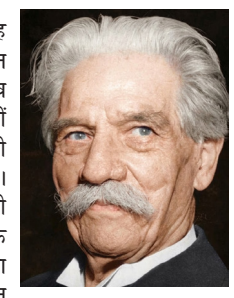

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

# राजा भोज और सत्य की दिव्य शिक्षा

एक दिन राजा भोज गहरी निद्रा में सोए हुए थे। तभी उनके स्वप्न में एक अत्यंत तेजस्वी वृद्ध पुरुष प्रकट हुए। उनकी आभा इतनी दिव्य और प्रखर थी कि राजा का मन श्रद्धा और भक्ति से भर गया। वृद्ध पुरुष का रूप इतना दिव्य था कि राजा स्वयं को उनकी उपस्थिति में असहाय और विनीत महसूस करने लगे। राजा भोज ने उन्हें प्रणाम करते हुए सादगीपूर्ण स्वर में पूछा, "महात्मन्, आप कौन हैं?" वृद्ध पुरुष ने गंभीर और शांत स्वर में उत्तर दिया,

"राजन, मैं सत्य हूँ। मैं तुम्हें तुम्हारे कार्यों का वास्तविक स्वरूप दिखाने आया हूँ। मेरे पीछे-पीछे चलो और अपने कर्मों के असली प्रभाव को देखो।" राजा भोज ने बिना किसी देर के उनका अनुसरण किया। राजा भोज का जीवन दान, पुण्य, यज्ञ-व्रत, तीर्थ यात्रा, कथावाचन और कीर्तन में लीन रहा था। उन्होंने अनेक तालाब, मंदिर, कुएं, बगीचे और भव्य भवन निर्माण करवाए थे। इतने बड़े और महत्त्वपूर्ण कार्यों के बावजूद उनके मन में अपने कार्यों के कारण गर्व और अभिमान धीरे-धीरे घर कर गया था। सत्य, वृद्ध पुरुष के रूप में, राजा भोज को उनके बनाए हुए स्थलों और कृत्यों के पास ले गए। उन्होंने पहले बगीचों की ओर इशारा किया। जैसे ही सत्य ने बगीचों के पेड़ों को छुआ, वे एक-एक करके सूखने लगे और बंजर भूमि में बदल गए। राजा भोज यह अद्भुत दृश्य देखकर स्तब्ध और आश्चर्यचकित रह गए। उन्हें समझ नहीं आया कि उनके वर्षों के परिश्रम और मेहनत से बने बगीचे कैसे इतनी सरलता से नष्ट हो सकते हैं। इसके बाद सत्य ने राजा को मंदिरों की ओर ले जाया। जैसे ही उन्होंने मंदिर को छुआ, वह क्षणिक ही नहीं बल्कि स्थायी खंडहर में बदल गया। यज्ञशालाएँ, तीर्थ, कथावाचन और पूजा के लिए बने स्थान—ज्यों ही सत्य ने उन्हें छुआ, वे सब राख में बदल गए। यह दृश्य देखकर राजा भोज का मन धक्का और दुःख से भर गया। वे अपने किए गए कर्मों और निर्माणों के परिणाम को देखकर गहरे विचार में पड़ गए। सत्य ने राजा से कहा, "राजन, जो कार्य केवल यश, प्रतिष्ठा या मान-सम्मान की इच्छा से किए जाते हैं, वे केवल अहंकार और आत्म-मोह को बढ़ाते हैं। ऐसे कर्मों से धर्म का वास्तविक निर्वाह नहीं होता। सच्चा पुण्य केवल तब प्राप्त होता है, जब कर्म निस्वार्थ भाव से, सच्ची सद्भावना और कर्तव्यभाव के साथ किए जाते हैं। यही पुण्य का रहस्य है और यही धर्म का वास्तविक सार है।" इतना कहकर सत्य अंतर्धान हो गए। उनके इस दिव्य अनुभव ने राजा भोज के मन में गहरा प्रभाव छोड़ा। उनकी नींद टूटने पर राजा भोज गंभीर और चिंतनशील हो गए। उन्होंने समझा कि केवल दिखावे, मान-सम्मान और यश की इच्छा से किए गए कार्य कभी शाश्वत फल नहीं देते। इस घटना के पश्चात राजा भोज ने अपने जीवन के दृष्टिकोण को बदल दिया। उन्होंने न केवल धार्मिक और पुण्यकर्म किए, बल्कि उन्हें अब केवल निस्वार्थ भाव, सच्ची भावना और कर्तव्यनिष्ठा के साथ संपन्न किया।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

पहलगाम हमले के बाद 22 मिनट में 'ऑपरेशन रीसेट' रणनीति से कार्रवाई की गई। ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। पाकिस्तान की कोई भी भविष्य की गलती का सख्त जवाब दिया जाएगा। जम्मू-कश्मीर में स्थिति संवेदनशील है, लेकिन नियंत्रण में है। पाकिस्तान की परमाणु धमकियों को भारत-चीन सीमा पर बेअसर कर दिया गया है।

-जनरल उपेंद्र द्विवेदी
सेना प्रमुख

यह चुनाव मुंबई या मराठी भाषियों के लिए खतरे के बारे में नहीं, बल्कि ठाकरे भाइयों के वजूद के बारे में है, जिनकी पार्टियां 74,000 करोड़ रुपये के बजट वाली देश की सबसे अमीर महानगरपालिका पर नियंत्रण के लिए महायुति के खिलाफ लड़ रही हैं।

-देवेन्द्र फडणवीस
सीएम, महाराष्ट्र

मेरा सेक्युलर माइंडसेट है। मुझे बस इतना कहना है कि हमारा देश इतना बड़ा है और इस देश में जो भी रहते हैं, वे सब भारतीय हैं। अगर कोई व्यक्ति देश के खिलाफ देशद्रोह करता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उसे मौत की सजा दी जानी चाहिए।

-अजित पवार
डिप्टी सीएम

उत्तर भारत में लड़कियों को घर में रोक लिया जाता है। उनसे घरेलू काम कराए जाते हैं। उन्हें नौकरी नहीं करने दिया जाता है। वो बस घर में रहती हैं और किचन का काम करती हैं। वहीं, दक्षिण भारत में हम लड़कियों को पढ़ने और करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

-दयानिधि मारन
सांसद, डीएमके

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार).

## ब्रीफ न्यूज़

### कांदिवली नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के लिए प्रस्तावित यातायात प्रभावों का निरस्तीकरण

मुंबई। कांदिवली नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के चलते 16/17 जनवरी, 2026 की रात्रि में कुछ ट्रेनों के रीशेड्यूल होने की जो सूचना पूर्व में दी गई थी, वह अब निरस्त की जाती है, क्योंकि यह कार्य निर्धारित समय से पहले ही सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है; फलस्वरूप 16/17 जनवरी, 2026 को मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और 17 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 02200 बांद्रा टर्मिनस–झांसी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय 05:10 बजे तथा ट्रेन संख्या 22953 मुंबई सेंट्रल–अहमदाबाद एक्सप्रेस अपने तय समय 05:40 बजे ही प्रस्थान करेगी।

### बांद्रा टर्मिनस एवं भुज के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई। यात्रियों की सुविधा और बढ़ती यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे ने विशेष किराये पर चलने वाली बांद्रा टर्मिनस–भुज द्विसाप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरों का विस्तार किया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09037 बांद्रा टर्मिनस–भुज स्पेशल को 29 जनवरी, 2026 तक तथा ट्रेन संख्या 09038 भुज–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 30 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है, जिससे यात्रियों को आने-जाने में अतिरिक्त सुविधा मिलेगी।

### सेशन कोर्ट ने सचिन सिंगारे को दुबई यात्रा की अनुमति दी

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (MSCB) धोखाधड़ी मामले के आरोपी और जारंडेश्वर शुगर मिल्स के निदेशक सचिन सिंगारे को विदेश यात्रा की अनुमति दे दी है। विशेष न्यायाधीश महेश जाधव ने सिंगारे को 6 फरवरी से 11 फरवरी 2026 के बीच दुबई में आयोजित होने वाली 'शुगर कॉन्फ्रेंस' में शामिल होने की इजाजत दी। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि उचित शर्तें लगाकर अभियोजन पक्ष की चिंताओं को दूर किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान अदालत ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि विदेश यात्रा का अधिकार एक 'कीमती अधिकार' है और यह भारतीय संविधान के तहत 'व्यक्तिगत स्वतंत्रता' का एक अनिवार्य हिस्सा है। न्यायाधीश ने उल्लेख किया कि याचिकाकर्ता ने कॉन्फ्रेंस का निमंत्रण पत्र और अपना पूरा यात्रा कार्यक्रम रिकॉर्ड पर रखा है। साथ ही, अब तक की जांच और अदालती प्रक्रिया के दौरान आरोपी ने किसी भी शर्त का उल्लंघन नहीं किया है, जो उसके पक्ष में जाता है। यह पूरा मामला महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक द्वारा चीनी मिलों को कर्ज बांटने में बरती गई कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। आरोप है कि बैंक के निदेशकों ने अपने रिश्तेदारों और करीबियों को लाभ पहुँचाने के लिए मिलों को कम कीमत पर बेचा, जिससे बैंक को करीब 25 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। प्रवर्तन निदेशालय (ED) इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के कोण से जांच कर रही है। जारंडेश्वर शुगर मिल्स उन प्रमुख संस्थाओं में से एक है, जिस पर इस घोटाले में शामिल होने का संदेह है। इस मामले के तार महाराष्ट्र के कई बड़े राजनीतिक चेहरों से जुड़े हैं, जिनमें रोहित पवार, प्रसाद तनपुरे और अर्जुन खोटकर जैसे नेताओं की चीनी मिलें शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने पहले इस मामले में धोखाधड़ी का सबूत न होने की बात कहते हुए क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी।

### सांसद से पांच करोड़ की वसूली के प्रयास में एक गिरफ्तार

मुंबई। आंध्र प्रदेश के एक सांसद को ब्लैकमेल करने और पांच करोड़ रुपये की वसूली के प्रयास के आरोप में मुंबई से एक सूचना अधिकार कार्यकर्ता (आरटीई) को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी रुशांत जयकुमार वाडके को आंध्र प्रदेश और मुंबई पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में दक्षिण मुंबई से पकड़ा गया। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# प्रचार थमते ही एक्शन मोड में फ्लाइंग स्क्वाड

### उल्हासनगर में नकदी और पिंपरी चिंचवड में वॉशिंग मशीनें जब्त

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं में 15 जनवरी को होने वाले मतदान से ठीक पहले चुनाव आयोग की फ्लाइंग स्क्वाड (उड़नदस्ता) पूरी तरह सक्रिय हो गई है। प्रचार का शोर थमते ही अलग-अलग शहरों में नकदी और उपहारों की जब्ती की घटनाओं ने राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। चुनाव आयोग की इस कड़ाई का उद्देश्य मतदाताओं को प्रलोभन से बचाना और चुनावी पारदर्शिता बनाए रखना है।

### पिंपरी-चिंचवड: मतदाताओं के लिए रखी 19 वॉशिंग मशीनें सीज

नकदी के अलावा, मतदाताओं को लुभाने के लिए बांटे जाने वाले उपहारों पर भी प्रशासन की पैनी नजर है। पिंपरी-चिंचवड के राहतानी स्थित गणराज कॉलोनी में फ्लाइंग स्क्वाड ने एक गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की। यहाँ एक घर से 19 नई वॉशिंग मशीनें जब्त की गईं, जिन्हें कथित तौर पर मतदान से पहले बांटने के लिए रखा गया था। चुनाव आयोग ने सामग्री को कब्जे में लेकर अज्ञात लोगों के खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया है।

### नालासोपारा: नकदी पर भाजपा और बविआ में ठनी

नालासोपारा ईस्ट के पेलहार क्षेत्र में भी उड़नदस्ते ने छापेमारी कर नकदी बरामद की है। इस घटना ने बहुजन विकास अघाड़ी (BVA) और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू कर दिया है। बविआ ने दावा किया कि यह पैसा चुनाव को प्रभावित करने के लिए भाजपा द्वारा लाया गया था। वहीं, भाजपा उम्मीदवार मनोज पाटिल ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे विरोधियों की एक ₹चुनावी साजिश₹ करार दिया है। पेलहार इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

### उल्हासनगर: रिक्शे में लाखों की नकदी, निर्दलीय उम्मीदवार ने पकड़ा

उल्हासनगर के सुभाष टेकरी इलाके में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक रिक्शे से भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई। निर्दलीय उम्मीदवार नरेश गायकवाड़ ने संदेह होने पर एक रिक्शे का पीछा किया और उसे रुकवाया, जिसमें से लाखों रुपयों से भरा एक बैग मिला। गायकवाड़ ने आरोप लगाया कि यह पैसा मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए भाजपा उम्मीदवारों तक पहुँचाया जा रहा था। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर नकदी जब्त कर ली है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

# कोंकण रेलवे ने साल भर में पकड़े 3.68 लाख बेटिकट यात्री

### 20 करोड़ से अधिक का जुर्माना वसूला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कोंकण रेलवे प्रशासन ने अपने पूरे 740 किलोमीटर के कार्यक्षेत्र (रोहा से थोकुर तक) में सघन टिकट जांच अभियान चलाकर एक बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है। जनवरी से दिसंबर 2025 की अवधि के दौरान चलाए गए इन अभियानों में कुल 3 लाख 68 हजार 901 यात्रियों को बिना टिकट या अनियमित यात्रा करते हुए पकड़ा गया। रेलवे सुरक्षा बल (RPF) और टिकट निरीक्षकों के इस संयुक्त अभियान के परिणामस्वरूप जुर्माने के रूप में कुल 20.27 करोड़ रुपये का राजस्व सरकारी खजाने में जमा हुआ।

### त्योहारों और विशेष सीजन में बढ़ी निगरानी

कोंकण रेलवे मार्ग पर प्रति सप्ताह औसतन 45 नियमित ट्रेनें चलती हैं, जिनमें प्रत्येक ट्रेन में लगभग 4,000 यात्री सवार होते हैं। विशेष रूप से गणेशोत्सव और गर्मियों की छुट्टियों के दौरान यात्रियों की संख्या काफी बढ़ जाती है। गणेशोत्सव के समय प्रतिदिन 6 से 11 विशेष ट्रेनें चलती हैं, जिनमें प्रति ट्रेन यात्रियों का आंकड़ा 5 हजार तक पहुँच जाता है। इन सभी विशेष ट्रेनों में अनाधिकृत प्रवेश रोकने के लिए रेलवे ने अकेले दिसंबर 2025 में ही 998 विशेष अभियान चलाकर 2.45 करोड़ का जुर्माना वसूला। कोंकण रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे हमेशा वैध टिकट के साथ ही यात्रा करें।

# कांदिवली-बोरीवली के बीच 6वीं लाइन का काम

### 16 जनवरी को रहेगा मेजर ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा कांदिवली और बोरीवली सेक्शन के बीच छठी लाइन के निर्माण कार्य को गति देने के लिए 20 दिसंबर से शुरू हुआ 30 दिनों का विशेष ब्लॉक अपने अंतिम चरण में है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, यह कार्य 18 जनवरी 2026 तक जारी रहेगा। इस बुनियादी ढांचा परियोजना का उद्देश्य उपनगरीय और लंबी दूरी की ट्रेनों के परिचालन को अधिक सुगम और समयबद्ध बनाना है।

### कई प्रमुख ट्रेनों के समय में बदलाव (री-शेड्यूल)

मेजर ब्लॉक के चलते कई महत्वपूर्ण ट्रेनों को देरी से रवाना किया जाएगा। 16 जनवरी को बांद्रा टर्मिनस–कानपुर एक्सप्रेस (22444) एक घंटा देरी से सुबह 06:10 बजे प्रस्थान करेगी। इसी तरह, मुंबई सेंट्रल–अहमदाबाद एक्सप्रेस (22953) 50 मिनट की देरी से सुबह 06:30 बजे रवाना होगी। इसके अलावा, 15 जनवरी को अहमदाबाद–दादर एक्सप्रेस (12902) और वेरावल–बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस (19218) को भी 45–45 मिनट री–शेड्यूल किया गया है। यात्री नवीनतम जानकारी के लिए रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या पूछताछ सेवा का उपयोग कर सकते हैं।

### 16 जनवरी की रात 'मेजर ब्लॉक' की तैयारी

परियोजना के तहत 15 और 16 जनवरी की मध्यरात्रि को एक 'मेजर ब्लॉक' लिया जाएगा। इस दौरान कांदिवली और मालाड के बीच 'प्वाइंट 101' को हटाने (डिस्मेंटलिंग) का महत्वपूर्ण कार्य किया जाना है। अप एवं डाउन फास्ट लाइन पर यह ब्लॉक रात 01:00 बजे से सुबह 06:30 बजे तक रहेगा, जबकि अप स्लो लाइन पर यह रात 01:00 बजे से तड़के 04:00 बजे तक प्रभावी होगा। इस अवधि में उपनगरीय लोकल सेवाओं के साथ–साथ मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की आवाजाही पर भी असर पड़ेगा।

### शॉर्ट टर्मिनेट और ओरिजिनेट होने वाली ट्रेनें

ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनों के मार्ग और टर्मिनल में बदलाव किया गया है। 15 जनवरी को चलने वाली नंदुरबार–बोरीवली एक्सप्रेस (19426) और अहमदाबाद–बोरीवली एक्सप्रेस (19418) वसई रोड पर ही अपनी यात्रा समाप्त करेंगी। वापसी में, 16 जनवरी को बोरीवली–नंदुरबार एक्सप्रेस (19425) और बोरीवली–अहमदाबाद एक्सप्रेस (19417) बोरीवली के बजाय वसई रोड स्टेशन से अपनी यात्रा शुरू करेंगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी यात्रा की योजना इसी के अनुसार बनाएं।

# उल्हासनगर मनपा चुनाव के लिए पुलिस मुस्तैद

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका चुनाव के दौरान शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने शहर को एक सुरक्षित किले में तब्दील कर दिया है। मतदान के दिन किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए 220 पुलिस अधिकारी, 1,250 पुलिसकर्मी और 1,500 होमगार्डों की विशाल फौज तैनात की गई है। इसके अलावा, सुरक्षा को अतिरिक्त मजबूती देने के लिए राज्य रिजर्व पुलिस बल (SRPF) की दो प्लाटून भी तैनात की गई हैं, जो शहर के संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च और निगरानी करेंगी।

### मतदान के दिन कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील

### अधिकारी स्तर पर विशेष निगरानी

चुनाव की संवेदनशीलता को देखते हुए उच्च स्तरीय अधिकारियों को कमान सौंपी गई है। सुरक्षा व्यवस्था का नेतृत्व एक अतिरिक्त पुलिस आयुक्त करेंगे, जिनके साथ दो उप पुलिस आयुक्त (DCP), चार सहायक पुलिस आयुक्त (ACP) और 25 पुलिस निरीक्षक मुस्तैद रहेंगे। ये अधिकारी न केवल मतदान केंद्रों बल्कि बाजारों, मुख्य चौराहों और विवादित वार्डों में पैदल और वाहन गश्त के जरिए पल-पल की स्थिति पर नजर रखेंगे। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने पर त्वरित प्रतिक्रिया बल (QRT) भी तैयार रहेगा।

### संवेदनशील वार्ड और सख्त निरोधात्मक कार्रवाई

पुलिस ने शहर के 22 वार्डों को संवेदनशील घोषित किया है, जिनमें वार्ड क्रमांक 5, 7, 14 और 15 को 'अति-संवेदनशील' की श्रेणी में रखा गया है। हिंसा और डर के माहौल को खत्म करने के लिए पुलिस ने अब तक 421 संदिग्ध लोगों को एहतियाती हिरासत में लिया है और 10 शातिर अपराधियों को शहर से तड़ीपार (निष्कासित) किया गया है। हथियारों के दुरुपयोग को रोकने के लिए 260 लाइसेंसधारकों से उनके रिवॉल्वर जमा कराए गए हैं और अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए छह पिस्तौलें जब्त की गई हैं। पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने शहरवासियों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। सोशल मीडिया पर समाज में फूट डालने वाले या भड़काऊ संदेश प्रसारित करने वालों के खिलाफ साइबर सेल कड़ी नजर रख रही है।

# 'मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान' में जुटेंगे फिल्मी सितारे

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र सरकार द्वारा ग्रामीण विकास और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए संचालित 'मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान' अब अपने निर्णायक चरण में है। इस अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए आगामी 17 जनवरी 2026 को ठाणे जिले में विशेष सेलिब्रिटी दौरों का आयोजन किया गया है। मशहूर कलाकार शिवाली परब और पृथ्वीक प्रताप ठाणे जिला परिषद के अंतर्गत विभिन्न तहसीलों का दौरा करेंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य मनोरंजन के माध्यम से ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना और ग्राम पंचायतों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए नागरिकों को सक्रिय रूप से जोड़ना है।

### 17 जनवरी को सेलिब्रिटी विजिट की शुरुआत

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, सेलिब्रिटी विजिट की शुरुआत 17 जनवरी को सुबह 9 बजे भिवंडी तहसील के डोहले गांव से होगी। इसके बाद दोपहर 12 बजे कलाकार शाहपुर तहसील के भावसे–खोस्ते पहुंचेंगे और अंतिम चरण में दोपहर 3 बजे मुरबाड तहसील के खेवारे गांव में जनसंवाद करेंगे। इन कार्यक्रमों के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, जल साक्षरता और डिजिटल सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। प्रशासन को उम्मीद है कि पसंदीदा कलाकारों की उपस्थिति से युवाओं और महिलाओं में इस अभियान को लेकर नई ऊर्जा का संचार होगा और ग्रामीण विकास के लक्ष्यों को हासिल करना आसान होगा।

# टीएमसी यूपीएससी विद्यार्थियों की परीक्षा के लिए खास लेक्चर आयोजित

### आईएएस डॉ. नितिन जवाले ने दिए सफलता के मंत्र

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे महानगरपालिका (TMC) द्वारा संचालित चिंतामनराव देशमुख प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान में संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। मनपा आयुक्त सौरभ राव के मार्गदर्शन में आयोजित इस सत्र का मुख्य विषय ₹डीएएफ (DAF) फॉर्म भरना और सेवाओं की प्राथमिकता तय करना₹ था। इस कार्यक्रम में ठाणे और मुंबई के सैकड़ों महत्वाकांक्षी युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संस्थान के पूर्व छात्र और वर्तमान में आपदा प्रबंधन विभाग में तैनात वरिष्ठ अधिकारी डॉ. नितिन जवाले (IAS - 2003) इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने विस्तृत रूप से बताया कि यूपीएससी का विस्तृत आवेदन पत्र (Detailed Application Form) कैसे भरा जाना चाहिए और सेवाओं का चयन करते समय किन बारीकियों का ध्यान रखना आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को स्पष्ट किया कि एक बार फॉर्म जमा होने के बाद किन परिस्थितियों में बदलाव संभव हैं और किनमें नहीं।

### सफलता के लिए सॉफ्ट स्किल्स का महत्व

किताबी ज्ञान के अलावा, डॉ. जवाले ने किसी भी क्षेत्र में शिखर तक पहुँचने के लिए 'इमोशनल इंटेलिजेंस' (भावात्मक बुद्धिमत्ता) और सकारात्मक दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को समझाया कि धैर्य, ईमानदारी, निरंतरता और आत्मविश्वास ही वे स्तंभ हैं जो कठिन समय में भी आपको लक्ष्य की ओर अग्रसर रखते हैं। उन्होंने समय प्रबंधन और सटीक अध्ययन योजना बनाने की व्यावहारिक तकनीकें भी साझा कीं।

### संवादात्मक सत्र और शंका समाधान

कार्यक्रम के अंत में एक इंटरैक्टिव सवाल–जवाब सत्र आयोजित किया गया, जहाँ प्रशिक्षुओं ने सीधे वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी से अपने संदेह दूर किए। उपायुक्त सचिन सांगले और निदेशक महादेव जगताप के नेतृत्व में संस्थान की टीम ने इस आयोजन को सफल बनाया। छात्रों ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रशासनिक सेवा के वास्तविक अनुभव वाले अधिकारी से मिला मार्गदर्शन उनके करियर के लिए अत्यंत मूल्यवान साबित होगा।

### बीएमसी चुनाव प्रचार के आखिरी दिन लुंगी पर सियासी तकरार

**मुंबई।** मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव प्रचार के अंतिम दिन भी राजनीतिक बयानबाजी तेज रही, जब भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण शिवाजी पार्क में महायुति की सभा में लुंगी पहनकर पहुंचे तो शिवसेना (उद्धव) सांसद संजय राउत ने इस पर तंज कसते हुए इसे "रसमलाई (अण्णामलाई) इफेक्ट" बताया और गैरमराठी मतदाताओं को लुभाने की कोशिश करार दिया। राउत ने सोशल मीडिया पर फोटो साझा कर सवाल उठाया कि चोट के कारण लुंगी पहननी थी तो पारंपरिक मराठी धोती भी पहनी जा सकती थी, वहीं चव्हाण ने पलटवार करते हुए शिवसेना (उद्धव) विधायक आदित्य ठाकरे की लुंगी पहने पुरानी तस्वीर साझा की और कहा कि जिनके पास विकास और काम पर बोलने को कुछ नहीं होता, वही ऐसे बयान देते हैं, साथ ही उन्होंने मराठी मानुस के नाम पर राजनीति करने वालों को इतिहास देखने की सलाह देते हुए कहा कि बालासाहेब ठाकरे ने शिवसेना की स्थापना मराठी हितों के लिए की थी, जिसे कांग्रेस से हाथ मिलाकर भुला दिया गया।

# 12 राशिफल में देखें अपना दिन

**मेष** स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा।

**वृष** पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा। शेयर मार्केट में लाभ रहेगा। नौकरी में सुविधाएं बढ़ सकती हैं।

**मिथुन** दु:खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

**कर्क** भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

**सिंह** घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

**कन्या** यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे।

**तुला** स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेवजह लोगों से मनमुटाव हो सकता है। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी।

**वृश्चिक** बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। कानूनी अड़चन आ सकती है। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

**धनु** नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

**मकर** किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। चोट व दुर्घटना से बचें। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। विवाद से बचें।

**कुंभ** स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

**मीन** प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से संपर्क होगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा। चिंता में कमी होगी। जल्दबाजी न करें।

# जीवन, कर्म और चेतना पर बृहस्पति का सूक्ष्म प्रभाव

प्रियंका जैन
9769994439

वैदिक ज्योतिष में गुरु अर्थात बृहस्पति को ज्ञान, धर्म, विस्तार, नैतिकता, संतान, भाग्य और जीवन के उच्च आदर्शों का कारक माना गया है। जब किसी जातक की कुंडली में गुरु की महादशा प्रारंभ होती है, तो सामान्यतः जीवन में स्थिरता, मार्गदर्शन और आंतरिक विकास की प्रक्रिया तेज हो जाती है। हालांकि यह मान लेना कि पूरी गुरु महादशा समान रूप से शुभ ही होगी, एक सरलीकरण है, क्योंकि महादशा के भीतर चलने वाली विभिन्न अंतर्दशाएं अपने-अपने ग्रहों के स्वभाव, बल, स्थिति, युति, दृष्टि और शुभाशुभ योगों के अनुसार अलग-अलग प्रकार के फल देती हैं। गुरु की महादशा में मिलने वाले वास्तविक अनुभवों को समझने के लिए यह आवश्यक है कि हम गुरु के साथ चल रही अंतर्दशा के ग्रह को भी उतनी ही गहराई से देखें।

जब गुरु में गुरु की ही अंतर्दशा आती है, तब सामान्यतः जीवन में संतुलन और शुभता का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। मेरे अनुभव में यह समय सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला, परिवार में मांगलिक कार्य कराने वाला और भौतिक व मानसिक दोनों प्रकार की समृद्धि देने वाला होता है। यदि गुरु उच्च, मूलत्रिकोण, लग्नेश या किसी शुभ ग्रह से दृष्ट या युत हो, तो यह प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे समय में व्यक्ति के भीतर नैतिक गुणों का विकास होता है, आचार्यों और विद्वानों से संपर्क बढ़ता है तथा इच्छाओं की पूर्ति अपेक्षाकृत सहज होती है। वहीं यदि गुरु नीच का हो या किसी दुःस्थान में स्थित हो, तो यही काल संतान, दांपत्य या मान-सम्मान से जुड़े कष्ट भी दे सकता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि केवल महादशा नहीं, ग्रह की वास्तविक स्थिति निर्णायक होती है।

गुरु में शनि की अंतर्दशा जीवन में कर्म और जिम्मेदारी का कठोर पाठ पढ़ाती है। यदि शनि या गुरु में से कोई भी ग्रह उच्च, मूलत्रिकोण या शुभ प्रभाव में हो, तो यह समय कर्मक्षेत्र में उन्नति, भूमि-भवन और वाहन के योग तथा वरिष्ठ और प्रभावशाली लोगों से संपर्क बढ़ाने वाला होता है। लेकिन यदि शनि नीच, अस्त या त्रिक भावों से जुड़ा हो, तो व्यक्ति के व्यवहार में कठोरता, अवगुण और मानसिक दबाव बढ़ने लगता है। अनुभव में यह भी देखा गया है कि इस समय जातक के भीतर अनुशासन की कमी होने पर नशे, अनैतिक आचरण या पारिवारिक तनाव जैसे परिणाम सामने आते हैं।

गुरु में बुध की अंतर्दशा को लेकर विद्वानों में मतभेद रहे हैं, पर अनुभवजन्य दृष्टि से यह अत्यंत संवेदनशील काल होता है। यदि गुरु और बुध शुभ संबंध में हों, नवपंचम या केंद्र योग बनाते हों, तो यह समय विद्या, बौद्धिक उन्नति, आर्थिक लाभ और सामाजिक पहचान बढ़ाने वाला होता है। व्यक्ति की वाणी प्रभावशाली होती है और धर्म व ज्ञान के प्रति रुचि बढ़ती है। इसके विपरीत यदि बुध या गुरु अशुभ स्थिति में हों, तो आर्थिक संकट, वाणी की अशुद्धता, संबंधों में गिरावट और स्वास्थ्य समस्याएं उभर सकती हैं। कई बार इस काल में व्यक्ति की भाषा में कटुता और अपशब्दों का प्रयोग बढ़ जाना भी देखा गया है।

गुरु में केतु की अंतर्दशा आध्यात्मिक झुकाव और वैराग्य का संकेत देती है। शुभ स्थिति में यह व्यक्ति को धर्म, साधना और आत्मचिंतन की ओर ले जाती है तथा समाज में सम्मान भी दिला सकती है। लेकिन अशुभ योग होने पर यही काल मानसिक विचलन, पारिवारिक विछोह, आर्थिक हानि या कारावास जैसे भय भी उत्पन्न कर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

## वोटर लिस्ट से 4.55 लाख नाम हटे, 1.42 लाख को नोटिस

बलिया। निर्वाचन नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत बलिया जिले में व्यापक स्तर पर कार्रवाई की गई है। इस प्रक्रिया में 4 लाख 55 हजार नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। वहीं, वर्ष 2003 की मतदाता सूची के अनुरूप निवास संबंधी साक्ष्य उपलब्ध न होने पर 1 लाख 42 हजार मतदाताओं को नोटिस जारी कर प्रमाण प्रस्तुत करने को कहा गया है। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह के अनुसार जिले की सात विधानसभा क्षेत्रों में कुल 25.10 लाख मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें से 20.54 लाख से अधिक की मैपिंग पूरी हो चुकी है। दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तिथि 6 फरवरी तय की गई है, जबकि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 6 मार्च को होगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सूची को पूरी तरह शुद्ध रखने के लिए सख्त निगरानी की जा रही है और किसी भी फर्जी मतदाता को शामिल नहीं होने दिया जाएगा।

## बागेश्वर में सुबह लगे भूकंप के झटके, प्रशासन अलर्ट

देहरादून। उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल स्थित बागेश्वर जिले में मंगलवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में अफरातफरी मच गई। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.5 दर्ज की गई है। भूकंप का केंद्र बागेश्वर क्षेत्र में जमीन के भीतर बताया गया, जिसके चलते आसपास के इलाकों में भी कंपन महसूस हुआ। झटकों के बाद एहतियातन लोग घरों से बाहर निकल आए। प्रशासन ने स्थिति पर नजर रखते हुए संबंधित विभागों को सतर्क कर दिया है। राहत की बात यह है कि कहीं से भी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

## आठ वांछितों पर 50-50 हजार का इनाम

प्रतापगढ़। जिले में अपराध पर लगाम कसने के लिए पुलिस ने सख्त कदम उठाया है। गंभीर मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे आठ आरोपितों पर पुलिस महानिरीक्षक, प्रयागराज परिक्षेत्र ने 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। सभी आरोपित नगर कोतवाली क्षेत्र से संबंधित हैं। पुलिस के अनुसार, इन अभियुक्तों पर हत्या के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट, मारपीट, धमकी और आर्म्स एक्ट जैसे संगीन आरोप दर्ज हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही सभी फरार आरोपितों को गिरफ्तार कर कानून के दायरे में लाया जाएगा।

## अपील : मेट्रो कॉरिडोर के पास न उड़ाएं पतंग

लखनऊ। मकर संक्रांति के अवसर पर पतंगबाजी को लेकर लखनऊ मेट्रो ने नागरिकों से सतर्कता बरतने की अपील की है। मेट्रो प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मेट्रो कॉरिडोर के आसपास पतंग उड़ाना यात्री सुरक्षा और संचालन के लिए खतरा बन सकता है। मेट्रो के अनुसार, चीनी मांझा या धातुयुक्त धागा बिजली का सुचालक होने के कारण शॉर्ट सर्किट और ओवरहेड बिजली व्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे मेट्रो सेवाएं बाधित होने के साथ जान-माल की हानि की आशंका रहती है।

# मायानगरी मुंबई में बनेगा बिहार भवन

## नीतीश कैबिनेट के बड़े फैसले: 43 प्रस्तावों को मंजूरी, बहाली से लेकर आधारभूत ढांचे तक जोर

एजेंसी । पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बिहार मंत्रिमंडल की बैठक में विकास, रोजगार और प्रशासनिक सुधार से जुड़े 43 अहम प्रस्तावों पर मुहर लगी। कैबिनेट के निर्णयों में बड़े पैमाने पर नियुक्तियों, आधारभूत संरचना के विस्तार और शिक्षा-न्याय व्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष फोकस रहा। [राज्य सरकार ने 314 करोड़ रुपये की लागत से मुंबई में बिहार भवन के निर्माण को मंजूरी दी है, जिससे वहां रहने वाले बिहारवासियों और प्रशासनिक कार्यों को सुविधा मिलेगी।

- कृषि व पशुपालन विभाग में करीब 900 पदों पर बहाली
- मुंबई में बिहार भवन निर्माण को हरी झंडी
- सोन नदी जल बंटवारे पर बिहार–झारखंड में सहमति
- दरभंगा एयरपोर्ट के पास लॉजिस्टिक पार्क को मंजूरी
- 13 कारागारों में 9,073 नए सीसीटीवी लगाए जाएंगे

### जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी बर्खास्त

मंत्रिमंडल ने जमुई के तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी को सेवा से बर्खास्त करने की मंजूरी दी। इसके अलावा विधानमंडल के वरिष्ठ सदस्यों के लिए अतिरिक्त आवास आवंटन से जुड़े प्रस्ताव को भी स्वीकृति मिली। कैबिनेट के इन फैसलों को राज्य में विकास की गति तेज करने और प्रशासनिक व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

### शिक्षा और तकनीकी संस्थानों को मजबूती

भागलपुर स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक टैक्सटाइल टेक्नोलॉजी संस्थान में चार नए डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू होंगे। वहीं पीएम श्री योजना के तहत 779 माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लिए 14,850 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई।

### सुरक्षा और न्याय व्यवस्था पर फोकस

राज्य के 13 कारागारों में 9,073 नए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिस पर 155 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होंगे। साथ ही बिहार अधिवक्ता कल्याण न्यास समिति को 30 करोड़ रुपये की एकमुश्त सहायता दी जाएगी और मुख्य न्यायाधीश से संबद्ध चार विधि सहायकों के पद सृजित किए गए हैं।

### सोन नदी के जल बंटवारे पर समझौता

झारखंड के साथ सोन नदी के जल बंटवारे को लेकर एमओयू पर सहमति बनी। तय फार्मूले के अनुसार 7 .75 मिलियन एकड़ फीट जल में से 5 .75 मिलियन एकड़ फीट बिहार और 2 मिलियन एकड़ फीट झारखंड को मिलेगा। दरभंगा हवाई अड्डे के पास लॉजिस्टिक पार्क व कार्गो हब के लिए 50 एकड़ भूमि अधिग्रहण को मंजूरी दी गई है। इस पर करीब 138 .83 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

### रोजगार को बढ़ावा, सैकड़ों पदों पर बहाली

मंत्रिमंडल ने कृषि विभाग में 694 पदों तथा डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग में 200 पदों पर नियुक्ति को स्वीकृति दी। इसके अलावा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में 106 नए पद सृजित किए जाएंगे।

## संक्रांति स्नान के लिए प्रयागराज तैयार

- 15 जनवरी को एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना
- सुविधा के लिए बढ़ाई गई घाटों की लंबाई, 42 अस्थाई पार्किंग भी बनी

एजेंसी । प्रयागराज

माघ मेले के दूसरे प्रमुख स्नान पर्व मकर संक्रांति को लेकर तीर्थराज प्रयाग में प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। 15 जनवरी को होने वाले स्नान पर्व पर एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान है। संगम तट सहित समूचे मेला क्षेत्र में स्नान, यातायात, सुरक्षा और स्वच्छता की विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 12,100 फीट लंबाई में स्नान घाटों का निर्माण कराया गया है। इसके साथ ही 42 अस्थायी पार्किंग स्थल विकसित किए गए हैं, जिनमें एक लाख से अधिक वाहनों के खड़े होने की व्यवस्था होगी। भीड़ के दबाव को देखते हुए प्रशासन ने विशेष भीड़ प्रबंधन योजना लागू की है।

### 25880 शौचालय, 3300 सफाईकर्मी तैनात

स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए मेला क्षेत्र में 25,880 शौचालय, 11 हजार डस्टबिन, 10 लाख से अधिक लाइनर बैग और 25 सक्शन मशीनें लगाई गई हैं। 3,300 सफाईकर्मी चौबीसों घंटे तैनात रहेंगे। गंगा जल की शुद्धता बनाए रखने के लिए कानपुर से प्रतिदिन पर्याप्त मात्रा में जल छोड़ा जा रहा है और सभी नालों की टैपिंग पूरी कर ली गई है।

### 17 थाने और 42 चौकियों के हवाले सुरक्षा

सुरक्षा के लिहाज से मेला क्षेत्र में 17 थाने, 42 पुलिस चौकियां, अग्निशमन केंद्र, जल पुलिस इकाइयां और पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती की गई है। इसके अलावा 400 से अधिक सीसीटीवी और एआई आधारित कैमरों के जरिए भीड़ और सुरक्षा की निगरानी की जाएगी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से सहयोग की अपील करते हुए शांतिपूर्ण और सुरक्षित स्नान पर्व संपन्न कराने का भरोसा जताया है।

## सूखे से पहाड़ बेहाल, देवताओं के दरबार में काश्तकार

- बरसात और बर्फबारी के लिए स्थानीय लोगों ने किया हवन-पूजन
- गंगोत्री, यमुनोत्री समेत समूचा हिमालयी क्षेत्र अभी तक बर्फ से वंचित

**उत्तरकाशी।** लंबे समय से बारिश और बर्फबारी न होने से पर्वतीय क्षेत्रों में कृषि संकट गहराता जा रहा है। मौसम पूर्वानुमानों के असफल रहने के बाद अब काश्तकारों की उम्मीदें अपने आराध्य देवी-देवताओं पर टिक गई हैं। जिले के विभिन्न इलाकों में वर्षा की कामना को लेकर पूजा-पाठ और हवन किए जा रहे हैं। जनवरी माह के मध्य तक भी गंगोत्री-यमुनोत्री सहित उच्च हिमालयी क्षेत्र बर्फ से वंचित हैं। इससे न केवल जल स्रोतों पर असर पड़ा है, बल्कि सेब, गेहूं और मटर जैसी फसलों पर भी संकट खड़ा हो गया है। सिंचाई साधनों के अभाव में अधिकांश किसान पूरी तरह बारिश पर निर्भर हैं। मकर संक्रांति के अवसर पर क्षेत्र के देवी-देवताओं की डोलियों के स्नान और विशेष अनुष्ठान प्रस्तावित हैं। सरनौल सहित कई गांवों में मंदिरों में वर्षा के लिए हवन शुरू हो चुका है। किसानों का कहना है कि फसलों की बुवाई में भारी खर्च हो चुका है और यदि जल्द बारिश नहीं हुई तो उन्हें गंभीर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। काश्तकारों को उम्मीद है कि देवताओं की कृपा से मौसम बदलेगा और क्षेत्र को राहत मिलेगी।

## संपत्ति के विवाद में सौतेली मां, भाई की हत्या

- सोते समय आरोपी ने दोनों पर धारदार हथियार से किया हमला
- दोहरे हत्याकांड से दहला मड़िहान, हत्या का आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी । मीरजापुर

पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर मड़िहान थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। सौतेले बेटे ने तड़के अपनी मां और भाई की निर्मम हत्या कर दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, कस्बा निवासी राहुल गुप्ता का पिता की मृत्यु के बाद से ही सौतेली मां ऊषा गुप्ता और सौतेले भाई आयुष गुप्ता से संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। मंगलवार भोर में, जब घर में दोनों सो रहे थे, आरोपी ने धारदार हथियार से हमला कर पहले भाई और फिर मां की जान ले ली। वारदात के बाद वह शवों को ठिकाने लगाने निकला, लेकिन एक शव रास्ते में गिर जाने से मामला उजागर हो गया।

### नहर से बरामद हुआ दूसरा शव

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए और आरोपी को पकड़ लिया। उसकी निशानदेही पर नहर से दूसरे शव की बरामदगी भी कर ली गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह संपत्ति विवाद सामने आई है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई जारी है।

व्यापार जगत

# 10 मिनट की डिलीवरी पर सरकार की रोक

- कैट ने सरकार के फैसले का स्वागत किया
- 10 मिनट डिलीवरी पर रोक को बड़ी जीत बताया

एजेंसी । नई दिल्ली

कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने ब्लिंकिट और अन्य क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स की 10 मिनट में डिलीवरी देने वाली सेवा पर सरकार द्वारा लगाई गई रोक का स्वागत किया। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने इसे डिलीवरी कर्मियों की सुरक्षा और व्यापारियों के हित में आवश्यक कदम बताया।

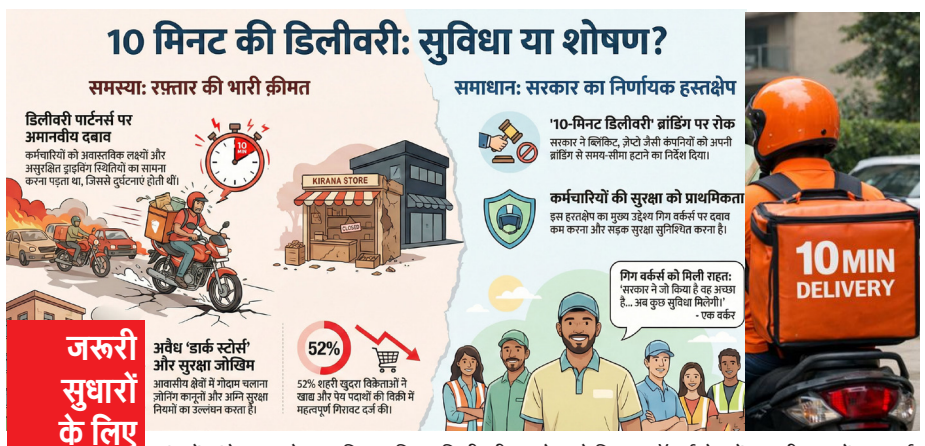


### जरूरी सुधारों के लिए जारी रहेगा सहयोग

अंत में खंडेलवाल ने कहा कि 10 मिनट डिलीवरी पर रोक से क्विक कॉमर्स क्षेत्र में जरूरी सुधारों का मार्ग खुलेगा। कैट भविष्य में भी सरकार के साथ मिलकर न्यायसंगत, सुरक्षित और पारदर्शी डिजिटल व्यापार व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रहेगा।

### पहली शुरुआत, आगे सुधार की जरूरत

खंडेलवाल ने कहा कि केंद्र सरकार की यह कार्रवाई उनके द्वारा वर्षों से उठाई जा रही चेतावनियों की पुष्टि है। हालांकि यह केवल शुरुआत है और पूरे डिजिटल व्यापार इकोसिस्टम में संरचनात्मक सुधार की आवश्यकता अभी भी बनी हुई है। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि कुछ प्लेटफॉर्म हादसों के बाद जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति अपनाते हैं, जो स्वीकार्य नहीं है।

### मानवता और अनुशासन की पहल

खंडेलवाल ने कहा कि यह निर्णय केवल मानवीय दृष्टिकोण से जरूरी नहीं, बल्कि क्विक कॉमर्स क्षेत्र में अनुशासन और जवाबदेही स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि कैट ने पहले संसद में और बाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस व विस्तृत पत्र के माध्यम से इस मुद्दे को लगातार उठाया था।

### डार्क स्टोर्स और अव्यावहारिक चेतावनी

खंडेलवाल ने याद दिलाया कि संसद में उन्होंने डार्क स्टोर्स पर पूर्ण प्रतिबंध और 10 मिनट जैसी अव्यावहारिक डिलीवरी समय-सीमा के खतरों की चेतावनी दी थी। उनका कहना है कि ऐसे मॉडल शहरी नियोजन को विकृत करते हैं, स्थानीय व्यापारियों के कारोबार को प्रभावित करते हैं और डिलीवरी कर्मियों के लिए जानलेवा दबाव पैदा करते हैं।

## ऑटो बाजार ने पकड़ी रफ्तार, बिक्री में 27% की छलांग

- बीते साल दिसंबर माह की बिक्री 3.15 लाख के मुकाबले इस वर्ष बिके 3.99 लाख वाहन

**नई दिल्ली।** यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग के सहारे दिसंबर 2025 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में उल्लेखनीय तेजी दर्ज की गई है। उद्योग निकाय सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अनुसार, दिसंबर माह में यात्री वाहन बिक्री सालाना आधार पर करीब 27 प्रतिशत बढ़ी है। सियाम के आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2025 में कुल 3.99 लाख यात्री वाहन बिके, जबकि दिसंबर 2024 में यह संख्या 3.15 लाख के आसपास थी। इसी अवधि में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री में भी जोरदार उछाल देखने को मिला और यह 39 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 15.41 लाख इकाई तक पहुंच गई। तिपहिया वाहनों की बिक्री भी 17 प्रतिशत बढ़कर 61,924 इकाई रही।

### सभी श्रेणी की बिक्री में दोहरे अंक की बढ़ोत्तरी

उद्योग निकाय का कहना है कि वाहन उद्योग वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में मजबूत स्थिति के साथ प्रवेश कर रहा है। सभी प्रमुख वाहन श्रेणियों में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज होने से आने वाले महीनों में भी थोक और खुदरा बिक्री में स्थिर बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है। सियाम के अनुसार, अनुकूल नीतिगत समर्थन और मांग में मजबूती के चलते चालू वित्त वर्ष का समापन सकारात्मक रुझान के साथ होने की संभावना है।

## महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव: कल बंद रहेगा शेयर बाजार

**नई दिल्ली।** महाराष्ट्र में नगर निगम चुनाव के मद्देनजर 15 जनवरी को देश के प्रमुख शेयर बाजारों—नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई)—में पूर्ण अवकाश रहेगा। इस दिन किसी भी सेगमेंट में कारोबार नहीं होगा। स्टॉक एक्सचेंज द्वारा जारी संशोधित सर्कुलर के अनुसार, 15 जनवरी को इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स, सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बोरॉइंग, करेंसी डेरिवेटिव्स और इंटरेस्ट रेट डेरिवेटिव्स में ट्रेडिंग स्थगित रहेगी। इसके साथ ही कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में सुबह का सत्र भी नहीं होगा। इससे पहले जारी सर्कुलर में केवल सेटलमेंट हॉलिडे का उल्लेख था, जिसे अब बदलते हुए पूर्ण अवकाश घोषित किया गया है।

### नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत छुट्टी

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र सरकार ने नगर निगम चुनाव के सुचारू संचालन के लिए 15 जनवरी को नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। यह अवकाश राज्य के सभी 29 नगर निगमों में लागू होगा, जिनमें मुंबई सिटी और मुंबई उपनगर भी शामिल हैं। इससे पहले वर्ष 2017 में भी नगर निगम चुनाव के दौरान शेयर बाजार में अवकाश रखा गया था। इसके अलावा, वर्ष 2026 में शेयर बाजार के लिए कुल 16 अवकाश निर्धारित हैं, हालांकि इनमें से चार छुट्टियां शनिवार या रविवार को पड़ रही हैं। मार्च माह में सर्वाधिक तीन अवकाश रहेंगे, जबकि फरवरी, जुलाई और अगस्त में साप्ताहिक अवकाश के अलावा कोई अतिरिक्त छुट्टी नहीं होगी।

## लोहिड़ी पर सोना-चांदी नए रिकार्ड पर

**नई दिल्ली।** लोहिड़ी के अवसर पर घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी दोनों ने जोरदार तेजी दिखाते हुए ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाया। आज सोने की कीमतें 1,570 रुपये से बढ़कर 1,710 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गईं, जबकि चांदी ने 10,000 रुपये प्रति किलोग्राम का आंकड़ा पार कर लिया। पूरे देश के प्रमुख सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट और 22 कैरेट सोने के भाव नई ऊंचाई पर पहुंचने से खरीदारों और निवेशकों में उत्साह देखा गया। चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी ने भी निवेशकों की रुचि को और बढ़ा दिया।

### मुख्य शहरों में सोने के भाव

सभी प्रमुख शहरों में सोने-चांदी की कीमतें हाई रहीं। दिल्ली में 24 कैरेट – 1,42,310 रुपये, 22 कैरेट – 1,30,460 रुपये प्रति 10 ग्राम, मुंबई में 24 कैरेट – 1,42,160 रुपये, 22 कैरेट – 1,30,310 रुपये, अहमदाबाद में 24 कैरेट – 1,42,210 रुपये, 22 कैरेट – 1,30,360 रुपये, लखनऊ और जयपुर में 24 कैरेट – 1,42,310 रुपये, 22 कैरेट – 1,30,460 रुपये और पटना और भोपाल में 24 कैरेट – 1,42,210 रुपये, 22 कैरेट – 1,30,360 रुपये रहा।

### दक्षिण भारत में दिखी तेजी

बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर के बाजार में 24 कैरेट सोना 1,42,160 रुपये और 22 कैरेट सोना 1,30,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में आए उछाल, निवेशकों की सुरक्षित संपत्ति में बढ़ती रुचि और त्योहारी मांग के कारण घरेलू सर्राफा बाजार में यह तेजी देखी गई।

# ईरान में संकट

## अब तक 2000 लोगों की मौत

### हिंसक झड़पों के वीडियो सामने आए

इससे पहले एक मानवाधिकार संगठन ने सैकड़ों लोगों की मौत की पुष्टि की थी और कहा था कि हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हाल के दिनों में इंटरनेट बंद करने जैसे संचार प्रतिबंधों के कारण जानकारी के आदान-प्रदान में काफी दिक्कतें आई हैं। पिछले एक हफ्ते में रात के समय प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों के कई वीडियो सामने आए हैं। इनमें से कुछ वीडियो की रॉयटर्स ने भी पुष्टि की है। इन वीडियो में गोलीबारी, जलते हुए वाहन और इमारतें दिखाई दे रही हैं।

### गिरफ्तार लोगों को मिल सकती है मौत की सजा- संयुक्त राष्ट्र

तुर्क ने मृतकों की संख्या के संबंध में पूछे जाने पर कहा कि ईरान में संयुक्त राष्ट्र के सूत्रों से जो संख्या सुनने को मिल रहा है वह सैकड़ों में है। तुर्क ने चिंता जताई की प्रदर्शन में गिरफ्तार हजारों प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मौत की सजा का इस्तेमाल किया जा सकता है। मानवाधिकार कार्यालय ने अमेरिका के संभावित हस्तक्षेप पर कहा कि इस बात की चिंता है कि विरोध-प्रदर्शनों का दुरुपयोग किया गया और किसी को ऐसान नहीं करना चाहिए।

- कई शहरों में हिंसक प्रदर्शन जारी
- विपक्षी मीडिया ने बताया 12,000 का आंकड़ा

एजेंसी । तेहरान

ईरान में पिछले दो हफ्तों से जारी देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के दौरान अब तक 2,000 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में प्रदर्शनकारी और सुरक्षा बलों के जवान भी शामिल हैं। एक ईरानी अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह पहली बार है, जब ईरानी अधिकारियों ने इतनी बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों की मौत के आंकड़े को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अधिकारी ने दावा किया कि जिन लोगों की मौत हुई है, उनके लिए तथाकथित आतंकवादी जिम्मेदार हैं। अधिकारी के अनुसार इन घटनाओं में प्रदर्शनकारियों के साथ-साथ सुरक्षा कर्मियों की भी जान गई है। हालांकि, अधिकारी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि मृतकों में कितने प्रदर्शनकारी थे और कितने सुरक्षा कर्मी थे।

### संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने बढ़ती मौतों पर चिंता जताई

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख ने ईरान के सुरक्षा बलों द्वारा शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा पर चिंता जताई और कहा कि अब तक सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के प्रवक्ता जेरेमी लॉरेंस द्वारा पढ़े गए एक बयान में कहा, रहिंसा का यह भयावह चक्र जारी नहीं रह सकता।

### खराब आर्थिक हालात के कारण अशांति

हाल में यह अशांति खराब आर्थिक हालात के कारण पैदा हुई है और ईरानी सरकार के लिए पिछले तीन साल की सबसे बड़ी अंदरूनी चुनौती मानी जा रही है। यह प्रदर्शन ऐसे समय में हो रहे हैं, जब पिछले साल से इस्राइल और अमेरिका के हमलों के बाद ईरान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ा हुआ है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से सत्ता में रही सरकार ने प्रदर्शनों को लेकर दोहरी नीति अपनाई है। एक तरफ वह आर्थिक समस्याओं पर हुए प्रदर्शनों को जायज बता रही है, वहीं दूसरी तरफ उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई भी कर रही है। सरकार ने अशांति फैलाने के लिए अमेरिका और इस्राइल को जिम्मेदार ठहराया है। ईरान सरकार ने कहा कि जिन लोगों को वह 'आतंकवादी' मानती है, उन्हीं लोगों का अब इन प्रदर्शनों पर नियंत्रण है।

### ईरानी मीडिया ने 12,000 मृतकों का आंकड़ा बताया

ईरान इंटरनेशनल ने अपनी वेबसाइट में बताया कि तेहरान समेत कई शहरों में विरोध-प्रदर्शनों में 12,000 से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें अधिकांश मौतें 8-9 जनवरी को इंटरनेट और बिजली गुल करने के दौरान हुईं। रिपोर्ट में घटनाओं को ईरान के समकालीन इतिहास में सबसे बड़ी हत्यार बताया गया है।

# भाजपा ने केरल का नाम 'केरलम' करने का किया समर्थन

### मलयालम भाषा का शब्द है 'केरलम'

**तिरुवनंतपुरम।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार द्वारा राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव का समर्थन किया है। केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को पत्र भेजकर इस मामले में पार्टी का रुख स्पष्ट कर दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में मामले में हस्तक्षेप कर राज्य का नाम मलयालम शब्द 'केरलम' करने की मांग की है।

राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि नाम बदलने से उन चरमपंथी ताकतों के प्रयासों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी, जो धर्म के आधार पर राज्य को अलग-अलग जिलों में विभाजित करने की मांग कर रही हैं।

### 'केरलम' शब्द का महत्व और सांस्कृतिक जड़ें

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में चंद्रशेखर ने बताया कि राज्य विधानसभा ने आधिकारिक अभिलेखों में राज्य का नाम केरल से बदलकर 'केरलम' करने का प्रस्ताव पारित किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा भाषायी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा और सम्मान पर आधारित है और पार्टी ने हमेशा राज्य को 'केरलम' के रूप में देखा है, जो हजारों वर्षों की परंपरा, विरासत और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। - क्या है 'केरलम' का मतलब 'केरलम' मलयालम भाषा का शब्द है, जिसका शाब्दिक अर्थ नारियल के पेड़ों की भूमि है। यह राज्य की भौगोलिक विशेषता और सांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है।

## न्यूज़ ब्रीफ

### मेघालय में मछलियों की जांच के आदेश

**शिलांग।** मेघालय के स्वास्थ्य अधिकारियों ने राज्य में बिकने वाले मछलियों की जांच के आदेश दिए हैं। पड़ोसी राज्य असम में मछलियों में मानक से ज्यादा मात्रा में भारी धातुओं को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। मेघालय के स्थानीय बाजारों में ज्यादातर मछलियों की आपूर्ति असम से ही की जाती है। एक वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को राज्य भर में थोक केंद्रों, खुदरा बाजारों और प्रवेश बिंदुओं से नमूने एकत्र करने और उन्हें परीक्षण के लिए अधिकृत प्रयोगशालाओं में भेजने का निर्देश दिया गया है।

### कोर्ट ने मुख्य पुजारी की गिरफ्तारी की दी अनुमति

**कोल्लम।** केरल की एक विजिलेंस कोर्ट ने मंगलवार को सबरीमला मंदिर सोना चोरी प्रकरण में विशेष जांच दल (एसआईटी) को मुख्य पुजारी कंडरारू राजीवरू को गिरफ्तार करने की अनुमति दी है। कोर्ट ने यह आदेश एसआईटी द्वारा दायर आवेदन पर दिया। वहीं, मुख्य पुजारी की जमानत याचिका पर 19 जनवरी को सुनवाई करेगी। मामले में कोर्ट ने एक और आरोपी त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार की हिरासत भी 14 दिनों के लिए बढ़ा दी है।

### शक्सगाम घाटी पर चीन के अवैध दावे को भारत ने किया खारिज

**नई दिल्ली।** चीन ने जम्मू-कश्मीर में शक्सगाम घाटी पर अपने बेबुनियाद नक्शे वाले दावों को दोहराकर एक बार फिर भारत के साथ तनाव बढ़ा दिया है। यह उकसाना भारत की ओर से शक्सगाम घाटी में चीनी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की आलोचना के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि भारत अपने हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने का अधिकार रखता है, क्योंकि यह भारतीय क्षेत्र है। चीन के शिनजियांग प्रांत की सीमा से लगे एक संवेदनशील ऊंचाई पर मौजूद शक्सगाम घाटी या ट्रांस काराकोरम ट्रैक्ट, काराकोरम रेंज के उत्तर में , विवादित सियाचिन/अक्साई चिन क्षेत्र के पास स्थित है। यह गुलाम कश्मीर के हुंजा-गिलगित क्षेत्र का हिस्सा है। पाकिस्तान ने 1963 में चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते के तहत, अपने अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों में शक्सगाम घाटी में भारत का 5,180 वर्ग किलोमीटर चीन को अवैध रूप से सौंप दिया था। भारत ने इस कार्रवाई को गैर-कानूनी और नजायज बताते हुए दृढ़ता से खारिज किया है और इस क्षेत्र पर अपने दावे पर जोर दिया है।

## ससुर की संपत्ति पर विधवा बहू का भी हक

नई दिल्ली। विधवा महिलाओं के हक में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम 1956 के तहत ससुर की मौत के बाद विधवा बहू भी उनकी संपत्ति से मेंटिनेंस का दावा कर सकती है। जस्टिस पंकज मिथल और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने दीवानी अपीलों को खारिज करते हुए कहा कि इस ऐक्ट की धारा 21 (VII) में विधवा बहू को भी शामिल किया गया है। पति की मौत ससुर की मौत से पहले हुई हो या बाद में, विधवा बहू उनकी संपत्ति से भरण-पोषण की हकदार है। यह मामला डॉ. महेंद्र प्रसाद के वारिसों के बीच का था जिनकी दिसंबर 2021 को मौत हो गई थी। डॉ. महेंद्र प्रसाद की बहू गीता शर्मा उनकी संपत्ति से भरण पोषण की मांग कर रही थी। उनके पति की मौत 2023 में हो गई थी। फैमिली कोर्ट ने यह कहते हुए मेंटनिनेंस दिलाने से इनकार कर दिया था कि ससुर की मौत के समय उनके पति जीवित थे। हालांकि हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट को आदेश दिया कि उनकी जरूरत के हिसाब से मेंटिनेंस का निर्देश दे। हाई कोर्ट के आदेश को परिवार के बाकी सदस्यों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। इन सदस्यों में डॉ. प्रसाद के दूसरे बेटे की विधवा बहू और लंबे समय तक लिवइन पार्टनर के रूप में रहने का दावा करने वाली महिला भी शामिल है।

# अफसरों की जांच के लिए पूर्व मंजूरी मामले पर आया खंडित फैसला

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार मामलों की जांच शुरू करने से पहले अनुमति लेने से संबंधित, भ्रष्टाचार रोधी कानून की 2018 की धारा की संवैधानिक वैधता पर मंगलवार को खंडित निर्णय सुनाया। इस मुद्दे पर फैसला सुनाने वाली पीठ में शामिल जजों की अलग-अलग राय होने के चलते अब इस मामले को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के समक्ष रखने का निर्देश दिया है ताकि इस मुद्दे पर फैसला करने के लिए बड़ी पीठ गठित की जा सके। केंद्र ने जुलाई 2018 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 में संशोधन करते हुए धारा 17ए का प्रावधान शामिल किया था। इसके अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी की पूर्व मंजूरी के बिना आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में की गई सिफारिशों/आदेशों के लिए किसी भी लोकसेवक के खिलाफ 'जांच या पूछताछ' नहीं की जा सकती है। याचिकाकर्ता संगठन की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने सुनवाई के दौरान पीठ से कहा था कि ये प्रावधान भ्रष्टाचार विरोधी कानून को कमजोर करते हैं क्योंकि सरकार, जो सक्षम प्राधिकार है, से आमतौर पर मंजूरी नहीं मिलती है।

### जस्टिस नागरत्ना का फैसला

धारा 17ए असंवैधानिक, इसे खत्म किया जाना चाहिए जस्टिस नागरत्ना ने अलग लिखे अपने फैसले में कहा कि किसी अधिकारी के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए पूर्व मंजूरी की जरूरत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के मकसद के खिलाफ है क्योंकि यह जांच को रोकती है और भ्रष्ट अधिकारियों को बचाती है। उन्होंने कहा कि धारा 17ए असंवैधानिक है और इसे खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपों में किसी भी लोक सेवक के खिलाफ जांच शुरू करने के लिए कोई पूर्व अनुमति लेने की जरूरत नहीं है

### जस्टिस विश्वनाथन का फैसला

धारा 17ए वैध, ईमानदार अफसरों के हाथ मजबूत होंगे जस्टिस विश्वनाथन ने अपने फैसले में कहा कि पीसी एक्ट की धारा 17 खत्म करना बच्चे को नहाने के पानी के साथ बाहर फेंकने जैसा होगा और इलाज बीमारी से भी बदतर होगा। उन्होंने कहा कि धारा 17ए संवैधानिक रूप से वैध है, इस शर्त के अधीन कि मंजूरी का फैसला लोकपाल या राज्य के लोकायुक्त द्वारा किया जाना चाहिए। जस्टिस विश्वनाथन के कहा कि कानून का यह प्रावधान ईमानदार अधिकारियों के हाथों को मजबूत करेगा, लेकिन यह भी सुनिश्चित करेगा कि भ्रष्ट लोगों को सजा मिले।

## करूर भगदड़ मामले में एक्टर विजय की बढ़ीं मुश्किलें

**नई दिल्ली।** तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ मामले की जांच सीबीआई कर रही है। इसी सिलसिले में टीवीके प्रमुख और एक्टर विजय को सीबीआई ने पूछताछ के लिए 19 जनवरी को फिर से दिल्ली बुलाया है। विजय से कल भी पूछताछ की गई थी। सूत्रों ने बताया कि करीब 6 घंटे तक चली पूछताछ में उन्होंने जांच एजेंसी के बताया कि इस भगदड़ के लिए उनकी पार्टी जिम्मेदार है, जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी।27 सितंबर के हुई इस घटना की जांच कई बार अलग-असग एजेंसियों को सौंपी गई। बात में यह मामला सीबीआई को तब सौंपा गया जब सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच की जरूरत है और तमिलनाडु सरकार द्वारा पहले से नियुक्त एक सदस्यीय आयोग को रद कर दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाली एक पैनल द्वारा की जानी चाहिए। शुरुआत में, मद्रास हाई कोर्ट ने त्रासदी की वजहों की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई थी। इस भगदड़ पिछले साल विजय द्वारा संबोधित एक बड़ी रैली में हुई थी, जिसमें 41 लोगों की जान चली गई थी। तमिलनाडु पुलिस ने इस अराजकता के लिए विजय के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने में कथित तौप पर बहुत ज्यादा देरी को जिम्मेदार ठहराया था।

# आखिरी चरण में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य

**नई दिल्ली।** दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के डीएनडी फ्लाईवे से जैतपुर खंड का काम अब अपने अंतिम चरण में है। इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता आगरा कैनाल पर बनाया जा रहा बिना पिलर वाला स्टील आर्च ब्रिज है। पहले यहाँ कंक्रीट का सामान्य ब्रिज बनना था, लेकिन नहर के जल प्रवाह को सुचारू रखने के लिए डिजाइन में बदलाव किया गया। हालांकि इस बदलाव के कारण परियोजना की लागत में 200 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है, जिससे अब इसकी कुल लागत 1836 करोड़ रुपये हो गई है।

### जून तक शुरू होने की उम्मीद और बेहतर कनेक्टिविटी

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के अनुसार, इस एक्सप्रेसवे को जून 2026 तक पूरी तरह खोलने का लक्ष्य रखा गया है। इसके शुरू होने से दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के यात्रियों के लिए जयपुर का सफर मात्र ढाई घंटे का रह जाएगा। जैतपुर से आगे का हिस्सा पहले ही यातायात के लिए खोला जा चुका है, लेकिन इस नए खंड के जुड़ने से राजधानी के एक बड़े हिस्से को सीधा लाभ मिलने लगेगा।

## गिग वर्कर्स की सुरक्षा बढ़ेगी : कैट

**नई दिल्ली।** क्विक कॉमर्स कंपनियों की 10 मिनट की डिलीवरी सेवा पर रोक लगाने के केंद्र सरकार के फैसले की व्यापारिक संगठन कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने सराहना की है। कैट का कहना है कि इस फैसले से लाखों गिग कर्मियों के जीवन की सुरक्षा बढ़ेगी। कैट का कहना है कि यह विषय हालिया नहीं है, बल्कि कैट ने लंबे समय से क्विक कॉमर्स के खतरनाक और अनियंत्रित मॉडल को लेकर सरकार को आगाह किया था। प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि केंद्र सरकार का यह कदम सरकार की गिग वर्कर्स की सुरक्षा, सम्मान और जीवन को लेकर संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

## चुनाव आयोग ने 54 लाख मतदाताओं के नाम हटाए : ममता बनर्जी

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि राज्य में मतदाता सूची के मसौदे से 54 लाख नाम एकतरफा तरीके से हटा दिए गए हैं। नबान्ना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने दावा किया कि इनमें बड़ी संख्या में ऐसे वास्तविक मतदाता थे, जिन्हें अपना पक्ष रखने का मौका भी नहीं मिला। मुख्यमंत्री के अनुसार, इस प्रक्रिया में उन महिलाओं को भी निशाना बनाया गया जिन्होंने शादी के बाद अपना उपनाम बदला था।

### एआई तकनीक के उपयोग और भविष्य की रणनीति पर सवाल

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि दिल्ली में बैठकर एआई (AI) टूल्स का इस्तेमाल किया गया, जिसके कारण नामों में कथित विसंगतियों के आधार पर यह बड़े पैमाने पर कटौती हुई। उन्होंने 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' (तार्किक विसंगति) के तर्क को मूल प्रक्रिया से बाहर का हिस्सा बताया और आरोप लगाया कि इसे जानबूझकर बाद में जोड़ा गया ताकि अधिक से अधिक नाम हटाए जा सकें। मुख्यमंत्री ने आशंका जताई कि अभी अंतिम मतदाता सूची से एक करोड़ और नाम हटाने की तैयारी चल रही है।

## बेंगलुरु निकाय चुनाव 30 जून से पहले होंगे : शिवकुमार

**बेंगलुरु।** कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का सम्मान करेगी और 30 जून से पहले ग्रेटर बेंगलुरु प्राधिकरण के अंतर्गत आने वाले पांचों नगर निगमों के चुनाव कराएगी। बेंगलुरु विकास के प्रभारी मंत्री शिवकुमार ने इन आगामी चुनावों में कांग्रेस की जीत का पूरा भरोसा जताया है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राज्य सरकार और चुनाव निकाय को इस समय सीमा के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव संपन्न कराने का आदेश दिया था। बेंगलुरु में स्थानीय निकाय का पिछला कार्यकाल सितंबर 2020 में ही समाप्त हो गया था, जिसके बाद से शहर का प्रबंधन सरकारी प्रशासकों द्वारा किया जा रहा है। सितंबर 2025 में एक बड़ा प्रशासनिक बदलाव करते हुए एकल निकाय (BBMP) को भंग कर ग्रेटर बेंगलुरु प्राधिकरण (GBA) का गठन किया गया, जिसे पांच नए नगर निगमों—मध्य, पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण में विभाजित किया गया है। अब इन पांचों नए निगमों में पहली बार निर्वाचित प्रतिनिधि चुनने के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

**सैन्य ताकत** भारत और फ्रांस के बीच होगी सबसे बड़ी डिफेंस डील!

# 114 राफेल डील फाइनल, 3.25 लाख करोड़ के सौदे को इसी हफ्ते मिलेगी मंजूरी

**नई दिल्ली।** भारत अपनी वायुसेना को और मजबूत बनाने की ओर बड़ा कदम उठाने जा रहा है। इसके तहत भारत फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की तैयारी में है। यह प्रस्ताव इस हफ्ते रक्षा मंत्रालय की उच्च स्तरीय बैठक में रखा जाएगा। सौदे की कुल लागत लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये होने की संभावना है। इन विमानों में से करीब 12-18 विमान तैयार हालत में वायु सेना को मिलेंगे। बाकी विमानों का निर्माण भारत में होगा, जिसमें लगभग 30% भारतीय सामग्री का इस्तेमाल किया जाएगा। भारत चाहता है कि इन विमानों में भारतीय हथियार और सिस्टम को आसानी से जोड़ा जा सके। हालांकि, विमानों का सोर्स कोड केवल फ्रांस के पास रहेगा।

### ऑपरेशन सिंदूर में खास रहा राफेल का प्रदर्शन

राफेल लड़ाकू विमान को प्राथमिकता देने की सबसे बड़ा कारण उसका ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रदर्शन रहा। इस दौरान राफेल ने पाकिस्तानी मिसाइलों को मात दी और दुश्मनों के छक्के छुड़ा दिए। बता दें कि फ्रांस की कंपनी डासौल्ट भारत में राफेल के M-88 इंजन की मरम्मत और रख-रखाव सुविधा भी बनाएगी। भारतीय कंपनियां जैसे टाटा भी विमान निर्माण और मरम्मत में शामिल होंगी।

### भारतीय वायुसेना को मिलेगी बड़ी मजबूती

दुनिया के कई देशों में जारी अशांति के बीच भारत को क्षेत्र में बढ़ते खतरे को देखते हुए अधिक लड़ाकू विमानों की आवश्यकता है। भारतीय वायु सेना की ताकत में आने वाले वर्षों में मुख्य रूप से Su-30 MKI, राफेल और भारतीय निर्मित विमान शामिल होंगे।

### भारत के पास हो जाएंगे 176 राफेल

गौरतलब है कि भारत के पास पहले से ही 36 राफेल है और भारतीय नौसेना ने 26 राफेल का ऑर्डर भी दिया है। ऐसे में अगर यह नया सौदा मंजूर हो जाता है, तो भारत के पास कुल 176 राफेल विमान होंगे। फिलहाल भारतीय वायु सेना ने मामले का विवरण (SoC) तैयार कर इसे रक्षा मंत्रालय में भेजा है। मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद इसे कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी से अंतिम मंजूरी लेनी होगी।

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मुंबई

बुधवार, 14 जनवरी 2026




## अगर मैं नगरसेवक होता...



अगर मैं डोम्बिवली का नगरसेवक होता, तो मेरी पहली प्राथमिकता नागरिकों की रोजमर्रा की समस्याओं का स्थायी समाधान होती। स्वच्छ और समय पर पानी की आपूर्ति, बेहतर सड़कें, जलभराव से मुक्ति, मजबूत ड्रेनेज व्यवस्था और भरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन को मैं विकास की बुनियाद मानता। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ युवाओं के लिए रोजगार व कौशल विकास केंद्र खोलता, महिलाओं की सुरक्षा और वरिष्ठ नागरिकों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देता। पारदर्शी प्रशासन, डिजिटल शिकायत निवारण प्रणाली और नियमित जनसंवाद के जरिए मैं डोम्बिवली को सुनियोजित, सुरक्षित और रहने योग्य शहर बनाने के लिए ईमानदारी से काम करता।

– संकेत म्हात्रे, केडीएमसी

## क्या बोलती पब्लिक



चुनाव को लेकर जनता की राय बंटी है। कोई बदलाव चाहता है, कोई स्थिरता। महंगाई, रोजगार और स्थानीय विकास अहम मुद्दे हैं। मतदाता वादों से ज्यादा काम, ईमानदारी और भरोसेमंद नेतृत्व देखना चाहता है।

–पूर्णिमा पवार, मुंबई



कई मतदाता जाति और क्षेत्र से ऊपर उठकर मुद्दों पर वोट देने की बात कर रहे हैं। सोशल मीडिया, उम्मीदवार की छवि और जमीनी संपर्क निर्णय को प्रभावित कर रहा है तेजी से लगातार आजकल।

–शोभा पाडेकर, मुंबई

**हमें भेजें**

**अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।**

## उत्तर-पश्चिम मुंबई का रण

# शिवसेना का गढ़, लेकिन...

धीरज सिंह । मुंबई

**उत्तर-पश्चिम मुंबई लोकसभा क्षेत्र पारंपरिक रूप से शिवसेना का गढ़ रहा है, जहाँ गजानन कीर्तिकर ने दो बार प्रतिनिधित्व किया है। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनावों में शिवसेना के विभाजन के बाद यहाँ की राजनीति पूरी तरह बदल गई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के रवींद्र वायकर ने 'उबाठा' (शिवसेना-यूबीटी) के अमोल कीर्तिकर को कड़े मुकाबले में हराकर यहाँ अपना वर्चस्व साबित किया। अब आगामी नगर निगम चुनावों में इस क्षेत्र के 39 वार्डों पर कब्जा करने के लिए सभी दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।**

**39 वार्डों पर कब्ज़ा करने के लिए सभी दलों ने झोंकी ताकत**

### विधानसभा क्षेत्रों का गणित और दलीय स्थिति

इस लोकसभा क्षेत्र में छह महत्वपूर्ण विधानसभा सीटें आती हैं: वर्सोवा, अंधेरी पूर्व, अंधेरी पश्चिम, जोगेश्वरी, दिंडोशी और गोरेगांव। वर्तमान में यहाँ भाजपा के दो, शिवसेना (यूबीटी) के तीन और शिंदे गुट का एक विधायक है। 2019 के संयुक्त गठबंधन की तुलना में अब समीकरण काफी जटिल हो गए हैं। कई पूर्व पार्षद पाला बदलकर भाजपा और शिंदे गुट में शामिल हो चुके हैं, जिससे 'उबाथा' के पुराने प्रभाव वाले क्षेत्रों में सेंधमारी की संभावना बढ़ गई है।

### जातीय समीकरण और वोट बैंक का प्रभाव

क्षेत्र की जनसांख्यिकीय बनावट चुनावी नतीजों में बड़ी भूमिका निभाती है। गोरेगांव मुख्य रूप से गुजराती-मारवाड़ी समुदाय का गढ़ है जहाँ भाजपा मजबूत है, जबकि दिंडोशी में मराठी और मुस्लिम मतदाताओं का दबदबा है। वर्सोवा में कोली समुदाय और उच्च वर्गीय मतदाता निर्णायक हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जोगेश्वरी और वर्सोवा जैसे क्षेत्रों में दोनों शिवसेना गुटों के बीच मराठी वोटों का बड़ा बंटवारा हो सकता है। वहीं, अंधेरी पूर्व में विधायक मुर्जी पटेल का व्यक्तिगत दबदबा चुनावी दिशा तय कर सकता है।



### अनसुलझे मुद्दे: विकास और प्रदूषण की चुनौती

राजनीतिक रस्साकशी के बीच स्थानीय नागरिक मूलभूत सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं। एमएचएडीए (MHA-DA) की आवास परियोजनाओं और पुनर्वास योजनाओं में हो रही देरी यहाँ का सबसे बड़ा मुद्दा है। निर्माण कार्यों के कारण बढ़ते धूल प्रदूषण ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है, जिसके लिए सख्त नियमों की मांग की जा रही है। इसके अतिरिक्त, अंधेरी और गोरेगांव की सड़कों पर लगने वाला भीषण ट्रैफिक जाम स्थानीय प्रतिनिधियों के लिए एक बड़ी चुनौती और जनता के लिए सिरदर्द बना हुआ है।

### गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र में मुकाबले की तस्वीर

गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड संख्या 50 से 54 तक सीधा राजनीतिक मुकाबला देखने को मिल रहा है। वार्ड 50 में भाजपा के विक्रम सिंह राजपूत और उबाठा की तन्वी राव आमने-सामने हैं। वार्ड 51 में शिवसेना की वर्षा टेम्भवालकर, कांग्रेस की रेखा सिंह और राष्ट्रवादी की आरती चव्हाण के बीच त्रिकोणीय संघर्ष है। वहीं वार्ड 52 में भाजपा की प्रीति सातम, उबाठा की सुप्रिया गढ़वे और निर्दलीय संगीता खुटवाड मैदान में हैं।

### जोगेश्वरी विधानसभा क्षेत्र में सीधी टक्कर

जोगेश्वरी विधानसभा क्षेत्र में कई वार्डों में भाजपा और उबाठा के बीच सीधा मुकाबला है। वार्ड 72 में भाजपा की ममता यादव और उबाठा की मनीषा पंचाल, वार्ड 74 में भाजपा की उज्ज्वला मोदक और मनसे की विद्या कंगने आमने-सामने हैं। वहीं वार्ड 77 में शिवसेना के प्रशांत अंबोलकर और उबाठा की शिवानी परब के बीच संघर्ष है।

### दिंडोशी विधानसभा क्षेत्र के समीकरण

दिंडोशी विधानसभा क्षेत्र में भी रोचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। वार्ड 36 में भाजपा के सिद्धार्थ शर्मा और मनसे के प्रशांत महादिक, प्रभाग 38 में शिवसेना की निकिता चाचा और मनसे की सुरेखा परब के बीच चुनावी जंग है। वार्ड 39 में शिवसेना के सलाम अलमेलकर और उबाठा के तुलसीराम शिंदे आमने-सामने हैं।

### दिंडोशी क्षेत्र के अन्य वार्ड

इसी क्षेत्र के वार्ड 37 में भाजपा की प्रतिभा शिंदे और उबाठा की योगिता कदम, वार्ड 38 में उबाठा की पुष्पा कलांबे और शिवसेना के विनय सावंत मैदान में हैं। वार्ड 41 में उबाठा के सुहास वाडकर और शिवसेना के पारसी पाटिल, जबकि वार्ड 42 में उबाठा की प्रणिता निकम और शिवसेना की धनश्री भारडकर के बीच कड़ी टक्कर है।

### वर्सोवा और अंधेरी में चुनावी रण

वर्सोवा विधानसभा क्षेत्र में चुनावी संघर्ष तेज है, जहां वार्ड 59 में भाजपा के योगीराज दाभाडकर और उबाठा के यशोधर फणसे, वार्ड 61 में शिवसेना के राजुल पटेल और उबाठा की सेजल सावंत, जबकि वार्ड 63 में उबाठा के देवेंद्र अंबरकर और भाजपा के रूपेश सावरकर आमने-सामने हैं। वहीं अंधेरी विधानसभा क्षेत्र में भी बहुकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है—वार्ड 65 में भाजपा के प्रसाद आयरे और उबाठा के बांदेरी तिप्पन्ना, वार्ड 67 में भाजपा के दीपक कोटेकर और मनसे के कुशल धुरी के बीच टक्कर है, जबकि अंधेरी पूर्व के वार्ड 79, 80, 81 और 86 में भाजपा, शिवसेना और उबाठा के उम्मीदवारों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा जारी है।


महानगरपालिका चुनाव २०२५- २६

हमारा एक वोट तय करेगा

मतदान दिनांक: १५ जनवरी २०२६

समय: सुबह ७:३० से शाम ५:३०




राज्य चुनाव आयोग महाराष्ट्र

MaharashtraSEC

DGIPR/2025-26/D-5160